राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 17 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-148 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तराखंड के स्कूलों में रोज पढ़े जाएंगे गीता के श्लोक

● प्रार्थना सभा में अर्थ के साथ होगा गीतापाठ, 17 हजार स्कूलों पर फैसला लागू

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड राज्य के सभी स्कूलों में अब सुबह की प्रार्थना सभा में श्रीमद् भागवत गीता के श्लोक पढ़ाए जाएंगे। राज्य माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ मुकुल कुमार सती ने इसे लेकर आदेश जारी किया है। आदेश के बाद मंगलवार से ही नियम प्रदेश भर के लगभग 17 हजार सरकारी स्कूलों पर लागू हो गया है। शिक्षा निदेशक डॉ सती ने बताया कि हर दिन स्कूल में गीता के श्लोकों का केवल उच्चारण नहीं होगा, बल्कि उनका अर्थ भी समझाया जाएगा। इसका मकसद स्कूली बच्चों को प्राचीन भारतीय परंपराओं से अवगत कराना है। इससे बच्चों का पर्सनैलिटी डेवलपमेंट होने के साथ बौद्धिक क्षमता भी बढ़ेगी। जारी आदेश में लिखा गया है कि हर दिन एक मूल्य आधारित श्लोक प्रार्थना सभा में बोला जाएगा और सूचना पट पर अर्थ सहित लिखा भी जाएगा। टीचर्स भी समय-समय पर श्लोकों की व्याख्या करते हुए बच्चों को सैद्धांतिक जानकारी देंगे। दरअसल नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम में प्राचीन विषयों को शामिल करने का निर्देश है। इसमें 70 फीसदी पाठ्यक्रम केंद्र द्वारा तय किया जाएगा, वहीं 30 फीसदी राज्य तय करेगा। इसी नीति के तहत गीता को शामिल किया गया है।

'क्रूरता और सहिष्णुता' का मिश्रण था अकबर का शासन

● एनसीईआरटी की 8वीं की किताब ने खोला मुगलों का पन्ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने 8वीं क्लास की सोशल साइंस की किताब में कई सारे बदलाव किए हैं। इस किताब में दिल्ली सल्तनत और मुगल काल के दौरान 'धार्मिक असहिष्णुता' के कई उदाहरण बताए गए हैं। यह किताब छात्रों को मुख्य रूप से दिल्ली सल्तनत और मुगल काल के बारे में बताती है। इसमें बाबर को एक क्रूर और निर्दयी विजेता बताया गया है, जिसने नरसंहार किए। वहीं अकबर के शासन काल को क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण बताया गया है। जबकि, औरंगजेब के बारे में बताया गया है कि उसने मंदिरों और

गुरुद्वारों को नष्ट किया। एनसीईआरटी ने 8वीं के लिए सामाजिक विज्ञान की किताब एक्सप्लोरिंग सोसाइटी इंडियन एंड बियॉन्ड का भाग 1 जारी किया है। यह किताब इस साल के शैक्षणिक सत्र में इस्तेमाल की जाएगी। यह किताब नई एनसीईआरटी की किताबों में पहली है, जो छात्रों को दिल्ली सल्तनत और मुगल काल के बारे में बताती है। पहले 7वीं में छात्रों को 13वीं से 18वीं शताब्दी के बीच के इतिहास के बारे में बताया जाता था। लेकिन, एनसीईआरटी ने कहा है कि भारतीय इतिहास का यह दौर, जिसमें दिल्ली सल्तनत, मुगल और मराठा शामिल हैं, अब केवल 8वीं क्लास में ही पढ़ाया जाएगा। किताब के अध्याय रिशेपिंग इंडियाज पॉलिटिकल मैप में 13वीं से 17वीं शताब्दी तक के भारतीय इतिहास को शामिल किया गया है। इसमें दिल्ली सल्तनत का उदय और पतन, विजयनगर साम्राज्य, मुगल और उनका प्रतिरोध और सिखों का उदय शामिल है।

साक्ष्यों के आधार पर इतिहास को पेश किया

एनसीईआरटी की पुरानी 7वीं क्लास की किताब में इन बातों का जिक्र नहीं था। उस किताब में छात्रों को इतिहास के इसी दौर के बारे में बताया गया था। एनसीईआरटी ने एक बयान में कहा है कि ये घटनाएं... (और कई अन्य) हुई और उन्होंने भारतीय इतिहास पर अपनी छाप छोड़ी। उन्हें शामिल करने का कारण नोट ऑन सम डार्कर पीरियड इन हिस्ट्री में बताया गया है। इतिहास का जो विवरण दिया गया है, वह इतिहास को साफ-सुथरा नहीं करता है, बल्कि संतुलित और पूरी तरह से साक्ष्यों पर आधारित है। नोट ऑन सम डार्कर पीरियड इन हिस्ट्री के अलावा, एक अध्याय में एक चेतावनी भी डाली गई है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आज किसी को भी अतीत की घटनाओं के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। जोर इतिहास के प्रति एक ईमानदार दृष्टिकोण पर है, ताकि इससे बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सबक सीखा जा सके।

योगी कब तक रहेंगे...

● छांगुर बाबा के गुर्गों ने दी हिंदुओं को धमकी!

पोल खुलने पर बोला हमला, पुलिस जांच शुरू

बलरामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में धर्मांतरण के आरोपों से घिरे छांगुर बाबा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उनके पूर्व मुंशी

हरजीत कश्यप ने आरोप लगाया है कि बाबा के समर्थकों ने उन्हें लखनऊ में दिए गए बयान को वापस लेने के लिए जान से मारने की धमकी दी और उन पर हमला किया। इस मामले में कोतवाली उतरौला में 3 नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हरजीत कश्यप का कहना है कि मीडिया में दिए गए उनके बयान से बौखलाकर यह हमला किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरजीत कश्यप पुत्र शिव मंगल निवासी ग्राम रसूलाबाद, थाना गैंडास बुजुर्ग ने 3 जुलाई को लखनऊ में विश्व हिंदू परिषद के माध्यम से मीडिया को एक बयान दिया था। इसमें उन्होंने मधपुर गांव निवासी जलालुद्दीन शाह उर्फ छांगुर पीर पर जबरन धर्म परिवर्तन कराने और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

जेवलिन मिसाइल बनाने की तैयारी कर रहा भारत!

● अमरीका को लिखी चिट्ठी, प्रोडक्शन में चाहिए साथ ● विदेशी हथियारों पर निर्भरता कम करने का है प्लान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन की सेना ने अमेरिका की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल जेवलिन का इस्तेमाल करते हुए रूसी टैंकों का कब्रिस्तान बना दिया। अब भारत उसी मिसाइल को अमेरिका के साथ मिलकर बनाना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने अमेरिका को जवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल के ज्वाइंट प्रोडक्शन के लिए औपचारिक रूप से एक लेटर ऑफ रिक्वेस्ट भेज दिया है। दोनों देशों के बीच जेवलिन एंटी टैंक

मिसाइल के ज्वाइंट प्रोडक्शन को लेकर लंबे वक्त से बात चल रही थी और अब भारत ने आधिकारिक तौर पर चिट्ठी भेज दी है। भारत, मेक इन इंडिया के तहत इस मिसाइल का निर्माण करना चाहता है, जिसे एक सैनिक अपने कंधे पर रखकर आसानी से फायर कर सकता है।

इसीलिए इस मिसाइल को टैंकों का काल माना जाता है। जेवलिन एंटी टैंक मिसाइलें अमेरिका की सबसे एडवांस थर्ड जेनरेशन की एंटी-टैंक मिसाइलें मानी जाती हैं। रूस ने जब अपने सैकड़ों टैंकों को यूक्रेन में भेज दिया था, उसके बाद यूक्रेन को अमेरिका ने इस मिसाइलों को सौंपा था। यूक्रेन के जवान कहीं से भी छिपकर रूसी टैंकों को निशाना बना रहे थे। आखिरकार रूस को अपनी अग्रिम पंक्ति से अपने टैंकों को हटाना पड़ा। यह सिस्टम टॉप-अटैक क्षमता के लिए है।

महाराष्ट्र में एमवीए विधायकों ने किया अनूठा विरोध-प्रदर्शन

● असेंबली के बाहर बनियान पहन और गमछे लपेटकर पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा कैंटीन कर्मचारी की पिटाई मामले में सियासत अपने चरम पर है। इसका नजरा आज (बुधवार को) उस वक्त देखने को मिला जब विपक्षी दलों के गठबंधन महा विकास आघाडी के विधायकों ने अनूठे अंदाज में विरोध-प्रदर्शन किया। दरअसल, महाराष्ट्र विधान भवन के बाहर विपक्षी महा विकास आघाड़ी के विधायकों ने 'बनियान-गमछा' प्रदर्शन किया।

इस दौरान बनियान और कपड़ों के ऊपर गमछे पहने विधायकों ने सत्तारूढ़ गठबंधन के

'गुंडा राज' के खिलाफ जमकर नारे लगाए। गमछे लपेटे विधायक जोर-जोर से नारे लगा रहे थे कि राज्य में गुंडा राज चल रहा है।

विदेशी तकनीक पर भरोसा नहीं, स्वदेशी ताकत जरूरी

● ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान

कहा-कल के हथियारों से आज का युद्ध नहीं जीता जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने हाल के संघर्षों में ड्रोन की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि ये छोटे-छोटे हथियार जंग में पासा पलट सकते हैं। मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया है कि हमारे भूभाग और हमारी जरूरतों के लिए निर्मित स्वदेशी मानवरहित हवाई प्रणालियां और सी-यूएएस

क्यों महत्वपूर्ण हैं। सीडीएस ने चेतावनी दी कि अगर हम जरूरी मिशनों के लिए विदेशी तकनीक पर निर्भर रहेंगे,तो हमारी तैयारियां कमज़ोर पड़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी तकनीक खुद विकसित करनी होगी ताकि जंग के मैदान में कोई कमी न रहे। उन्होंने जोर देकर कहा, कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीती जा सकती। हमें आने वाले कल की तकनीक से आज की जंग लड़नी होगी।

बारिश-बाढ़ से बिगड़े एमपी-राजस्थान के हालात

● राजस्थान में 2 दिन में 18 लोगों की चली गई जान ● एमपी के मंडला-डिंडोरी में नर्मदा ने दिखाया रौद्र रूप

बिहार में बाढ़ के हालात, मुंगेर और गयाजी में पुल बहा

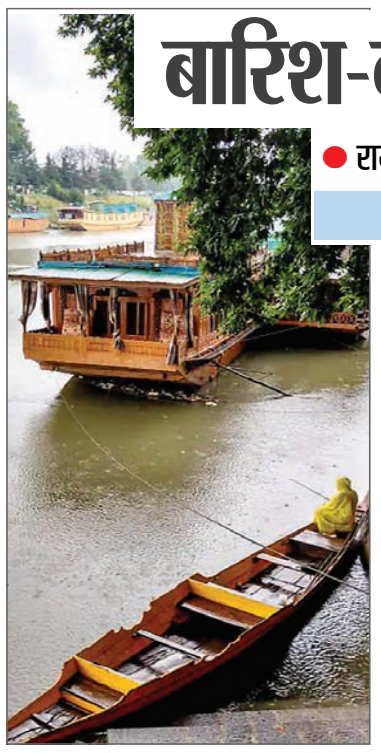

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में दो दिन से भारी बारिश जारी है। इससे जुड़ी घटनाओं में 18 लोगों की मौत हुई है। जयपुर, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिले के कई निचले इलाकों में 4-5 फीट तक पानी भर गया है। बूंदी में मेज नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। कई गांवों का मुख्यालय से संपर्क कट गया है। बिहार में तेज बारिश से बाढ़ के हालात हैं। मुंगेर और गयाजी में पुल बह गया है। औरंगाबाद में अटल बिगहा गांव में 500 घर डूब गए हैं। मध्य प्रदेश में तेज बारिश का दौर मंगलवार को भी जारी रहा। ग्वालियर, भोपाल, इंदौर समेत 25 से ज्यादा जिलों में बारिश

हुई। उत्तर प्रदेश में तेज बारिश जारी है। हाथरस में आधे घंटे में 6 इंच पानी बरसा। राज्य की ज्यादातर नदियां उफान पर हैं। प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़ की स्थिति है। वाराणसी में भी गंगा उफान पर है। 84 घाट पूरी तरह से डूबे हुए हैं। ललितपुर के माताटीला बांध के 18 गेट और गोविंद सागर बांध के 8 गेट खोले गए हैं। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में लगातार भारी बारिश जारी है। हिमाचल की 200 और उत्तराखंड की 58 सड़कें लैंडस्लाइड के चलते बंद हो गई हैं। आज भी दोनों राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। एमपी के मंडला में सुबह से तेज बारिश हो रही है। पानी की निकासी नहीं होने की वजह से सुभाष वार्ड की सड़क पर करीब तीन फीट तक पानी भर गया। एमपी के बैतूल जिले के सारणी में सतपुड़ा बांध के 5 गेट 2 फीट तक खोले गए हैं। इन गेटों को सुबह 10.45 बजे खोला गया।

जम्मू-कश्मीर को मिले पूर्ण राज्य का दर्जा, लाएं कानून

● खरगे-राहुल ने पीएम को लिखी चिट्ठी

श्रीनगर (एजेंसी)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह

किया कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए संसद के आगामी मॉनसून सत्र में विधेयक लाया जाए। उन्होंने यह मांग भी उठाई कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत शामिल करने के लिए भी विधेयक लाए। संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, पिछले पांच वर्षों से जम्मू-कश्मीर के लोग लगातार पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। यह मांग वैध भी है और उनके संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों पर आधारित है। उनका कहना था कि अतीत में केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य का दर्जा दिए जाने के उदाहरण रहे हैं।

यूएस से आ रहे रात के 'हमलावर' हेलीकॉप्टर

● अंधेरे में भी लगा लेते हैं सटीक निशाना, इसी सप्ताह डिलिवरी ● पाक सीमा पर होंगे तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों की डिलिवरी इसी सप्ताह होने जा रही है। पहली खेप के तहत कुल तीन अपाचे हेलीकॉप्टर मिलेंगे, जो रात के अंधेरे में भी टारगेट को खोजने और मार करने में सक्षम होंगे। अमेरिकी सेना में लंबे समय से तैनात इन हेलीकॉप्टरों की काफी डिमांड रही है। अब तक करीब 20 देशों को अमेरिका की ओर से इन हेलीकॉप्टरों की डिलिवरी की जा चुकी है। सूत्रों के अनुसार भारत इन हेलीकॉप्टरों को पाकिस्तान से लगती सीमा पर तैनात करने की तैयारी में है। 2 जुलाई को ही खबर आई थी कि इन हेलीकॉप्टरों की डिलिवरी का इंतजार खत्म होगा और इसी महीने ये भारत आ सकते हैं। इन हेलीकॉप्टरों को 'हवाई टैंक' भी कहा जाता है। अमेरिका से आने वाले अपाचे हेलीकॉप्टरों की

लैंडिंग गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर होगी। भारतीय सेना की ओर से इन हेलीकॉप्टरों के लिए अलग से बेड़ा पहले ही तैयार कर लिया गया है। जोधपुर में 15 महीने पहले ही इसकी शुरुआत हो चुकी है। लेकिन हेलीकॉप्टरों की डिलिवरी अटक गई थी। इसकी वजह थी कि दुनिया के भू-राजनीतिक समीकरण बदल गए और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन भी ट्रेड टैरिफ आदि में व्यस्त था। बता दें कि पहले ही इंडियन एयरफोर्स के पास दो स्क्वैड्रन पठानकोट और जोरहाट में ऐक्टिव हैं। बता दें कि 2015 में भी भारत सरकार ने 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों की डील अमेरिका से की थी। उस ऑर्डर की पूरी डिलिवरी अमेरिका की ओर से जुलाई 2020 में कर दी गई थी। इसके बाद 2020 में भारत ने 6 हेलीकॉप्टर और खरीदने की डील की थी। इसके तहत पहली खेप की डिलिवरी मई से जून 2024 के बीच की जानी थी। लेकिन इसमें देरी होती गई। बता दें कि अमेरिकी कंपनी बोइंग और टाटा की ओर से भी एक जॉइंट वेंटर हैदराबाद में चल रहा है। यहां तैयार किया गया एक अपाचे हेलीकॉप्टर 2023 में सेना को मिला था।

बिहार चुनाव से पहले बेंगलुरु में कांग्रेस ने खेला बड़ा दांव

● ओबीसी मीट में 50 फीसदी आरक्षण सीमा तोड़ने का संकल्प

बेंगलुरु (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग को रिझाने के लिए शिक्षा, नौकरियों और अन्य क्षेत्रों में आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को तोड़ने का संकल्प लिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस की ओबीसी परिषद की बैठक में इसका ऐलान किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओबीसी सलाहकार परिषद की दो दिवसीय बैठक बेंगलुरु में आयोजित की गई थी। आज बैठक का दूसरा और आखिरी दिन है। कांग्रेस द्वारा गठित ओबीसी सलाहकार परिषद को देश भर में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर रणनीति बनाने का काम सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने

परिषद से राष्ट्रव्यापी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक जाति जनगणना पूरी करने के लिए मौजूदा सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति बनाने का आग्रह करते हुए यह कहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विचार- विमर्श

डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे से खुली मध्यप्रदेश में निवेश की नई राहें

(लेखक - हर्षवर्धन पान्डे)

जहाँ एक तरफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन और तकनीकी सहयोग की दृष्टि से नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। यह दौरा आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ है।डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए लगातार प्रयासरत रहा है।

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक और आर्थिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उनके विजन और निवेशकों के प्रति सरकार की पारदर्शी नीतियों ने आज मध्यप्रदेश को देश के सबसे आकर्षक निवेश स्थलों में से एक बना दिया है। हाल के वर्षों में डॉ. यादव की विदेश यात्राओं और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव जैसे नवाचारों ने राज्य में निवेश की लहर को बूस्टर डोज देने का काम किया है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए बेहतर स्टेट बनाने के लिए 18 प्रकार की पारदर्शी औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों की बदौलत आज निवेशकों को सिंगल विंडो सिस्टम, बिजली बिलों में छूट, और जमीन आवंटन में आसानी जैसे लाभ प्राप्त हो रहे हैं। डॉ. यादव ने निवेशकों को आश्वासन दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेश करने पर उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनकी यह प्रतिबद्धता निवेशकों के बीच विश्वास जगाने में सफल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने बेहद कम समय में निवेश, रोजगार सृजन और शहरी विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनकी पारदर्शी नीतियां, वैश्विक मंचों पर सक्रिय भागीदारी और रोजगार व कौशल विकास पर विशेष जोर ने मध्यप्रदेश को आज भारत का सबसे प्रगतिशील राज्य बना दिया है। निवेश के लिए उनकी लगातार हो रही विदेश यात्राएं अब राज्य की आर्थिक समृद्धि और रोजगार सृजन की दिशा में एक नया अध्याय लिख रही हैं। डॉ. यादव का यह मिशन मध्यप्रदेश को न केवल निवेश का केंद्र बनाएगा, बल्कि इसे धार्मिक, सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में भी वैश्विक पहचान मिलेगी ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलताएं प्राप्त की हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा इंग्लैंड, जर्मन और जापान जैसे देशों से 78 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो राज्य में 3 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना को दर्शाते हैं। इन निवेशों ने मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल, रिन्यूएबल एनर्जी, खाद्य प्रसंस्करण, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनाने में मदद की है।हाल ही में लुधियाना में उद्योगपतियों के साथ हुए इंटरेक्टिव सेशन में मध्यप्रदेश को 15,606 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जिससे 20,275 से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

जहाँ एक तरफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन और तकनीकी सहयोग की दृष्टि से नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। यह दौरा आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ है।डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए लगातार प्रयासरत रहा है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं जिनमें उद्योग-अनुकूल नीतियां, रियायती भूमि आवंटन और पूंजीगत अनुदान जैसे प्रावधान शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव का दुबई दौरा भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के लिए एक विश्वसनीय केंद्र के रूप में स्थापित करने में सफल साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों और व्यापारिक संगठनों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें की जिनमें लुलु ग्रुप, सराफ डीजी, ईसा एआई अल गुरैर ग्रुप, गल्फ इस्लामिक इन्वेस्टमेंट्स, जी42 इंडिया और टाटा संस मिडिल ईस्ट जैसी कंपनियां शामिल रही। इन बैठकों में स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश के संभावित क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), लॉजिस्टिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा पर चर्चा हुई। विशेष रूप से धार में पीएम मित्रा पार्क (वस्त्र), तामोट और बिलौआ में प्लास्टिक पार्क, उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क, पीथमपुर में ऑटो, भोपाल में इलेक्ट्रॉनिक्स, और देवास में फार्मा क्लस्टर जैसे परियोजनाओं को निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया गया। गल्फ महाराष्ट्र बिजनेस फोरम और मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के साथ हुई चर्चाओं में आपसी सहयोग की नई संभावनाओं पर विचार किया गया। इसके अलावा जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के साथ बैठक में लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया गया।दुबई में आयोजित इन्वेस्ट मध्यप्रदेश दुबई बिजनेस फोरम एंड नेटवर्किंग डिनर इस दौरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा जहाँ अपनी डिनर डिप्लोमैसी से डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं और निवेश-अनुकूल नीतियों से अवगत कराया। एमपी की पर्यटन क्षेत्र में जबरदस्त ब्रांडिंग के लिए और भरपूर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक राउंडटेबल बैठक का आयोजन भी किया गया जहाँ निवेशकों ने मध्यप्रदेश के पर्यटन की प्रशंसा की।

मध्यप्रदेश सरकार ने हाल के वर्षों में निवेश आकर्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। डॉ. यादव ने बताया कि फरवरी 2025 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो राज्य की आर्थिक प्रगति का एक मजबूत संकेत है। इसके अलावा रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजन से भी निवेश के लिए एमपी की जबरदस्त ब्रांडिंग हुई। दुबई दौरे के दौरान भी निवेशकों ने मध्यप्रदेश में विशेष रूचि दिखाई और कई महत्वपूर्ण निवेश प्रस्ताव सामने आए। दुबई दौरे में शराफ डीजी ग्रुप ने लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 30-50 मिलियन डॉलर का प्रस्ताव रखा जबकि कोनेरी ग्रुप ने 75 मिलियन डॉलर के स्टील प्लांट की योजना प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त इंदौर इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क के एक कार्यक्रम में 25 से अधिक कंपनियों के सीईओ की उपस्थिति में सस्टेनेबल सिटी के लिए 1000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया गया। ये निवेश न केवल आर्थिक विकास को गति देंगे, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेंगे।

दुबई टेक्सटाइल सिटी के दौरे और टेक्समस एसोसिएशन के साथ इंटरएक्टिव सत्र में डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के वस्त्र उद्योग की क्षमताओं को प्रस्तुत किया। विशेष रूप से धार में पीएम मित्रा पार्क और अन्य टेक्सटाइल क्लस्टरों को बढ़ावा देने की योजनाओं पर जोर दिया गया। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में यूएई की विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश की परियोजनाओं के साथ जोड़ने की संभावनाएं तलाशी गई। ग्रू एनर्जी और जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के साथ हुई चर्चाओं में सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ.यादव ने दुबई टेक्सटाइल सिटी में टेक्समस एसोसिएशन परिसर का दौरा किया और वस्त्र उत्पादन तथा निर्यात गतिविधियों का भी अवलोकन किया। इस दौरान एक इंटरएक्टिव सत्र और नेटवर्किंग लंच में मध्यप्रदेश के टेक्सटाइल सेक्टर की क्षमताओं और पीएम मित्रा पार्क जैसी योजनाओं को प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त ग्रू एनर्जी जैसी अग्रणी ग्रीन एनर्जी कंपनी के साथ बैठक में सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं पर मध्यप्रदेश की प्राथमिकताओं को साझा किया गया।

डॉ. यादव ने यूएई के विदेश व्यापार मामलों के मंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल ज़ियोदी के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की जिसमें भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। भारत-यूएई सीईपीए (कम्प्रिहेंसिव इकोनॉमि पार्टनरशिप एग्रीमेंट) के तहत मध्यप्रदेश को निवेश और व्यापार के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस बैठक में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत मध्यप्रदेश की भूमिका पर चर्चा हुई। डॉ. यादव ने सौर ऊर्जा, स्मार्ट ऑटोमेशन, एम्बेडेड इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडस्ट्री 4.0 जैसे क्षेत्रों में यूएई की विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इसके अतिरिक्त, एमिरेट्स एयरलाइंस और दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी के साथ हुई बैठकों में इंदौर और भोपाल से डायरेक्ट फ्लाइट्स और रीजनल कार्गो हब की स्थापना जैसे प्रस्तावों पर सहमति बनी।

संपादकीय

निरंकुश नहीं आजादी

कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन की जरूरत बतायी है। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ, एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिस पर धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। यदि उससे सामाजिक समरसता में खलल पड़ता है तो सरकार को दखल देने का मौका मिलता है। जो कि एक लोकतांत्रिक देश के लिये अच्छा संकेत नहीं है। कोई नहीं चाहता कि उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी संस्कृति के समाज का निर्माण कर सकते हैं। वैसे कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे सत्ताधीशों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित अभिव्यक्ति पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कहा जाता रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी द्वारा किसी मर्यादा को भंग करना घटिया या आपत्तिजनक तो हो सकता है लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। इसे कानून के आलोक में देखा जाना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल,आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए।

न्याय,जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025)

वैश्विक स्तरपर एक दो दशक से जिस तरह संगठित अपराधोंकी संख्या में अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व स्थानीय समूह की गतिविधियों में वृद्धि हुई है इसे गंभीरता से रेखांकित करना समय की मांग है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि उनके संगठित अपराधों को अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में देखें तो जांचएजेंसियों द्वारा आजकल अपराध की थ्योरी को अन्तर्राष्ट्रीय एंगल से जांच करने की थ्योरी भी अपनाई जाती है जिस तरह से वर्तमान में रूस- यूक्रेन इज़राइल हमास युद्ध,व अनेक देशों के स्थानीय लोकल स्तरोंपर मानवीय अधिकार हनन अपराध चर्चा में आ रहा है व विशेष रूप से युद्ध अपराध चर्चा में आया हैं, युद्ध अपराध के लिए विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय मानक मौजूद हैं, सहित अनेक केसों की तारें विदेशों तक जुड़ी हुई है। एक आपराधिक संगठन को हम गिरोह,माफिया, भीड़, सिंडीकेट, अंडरवर्ल्ड या गैंग्लैंड भी कह सकतें है, जिसमें अनेक अपराध जैसे सफेदपोश अपराध, वित्तीय अपराध, राजनीतिक अपराध, युद्ध के अपराध सहित अनेक परिभाषित अपराधों को शामिल किया जा सकता है जो अंतरराष्ट्रीय कनेक्टड होते हैं इसीलिए आज हम ऐसे अपराधों और न्याय पर चर्चा करेंगे जो अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में आते हैं उनके पीड़ितों को न्याय दिलाने, दुनियाँ भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करने के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025 के उपलक्ष में इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम आज की दुनिया में विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस 2025 की प्रासंगिकता की करें तो (1) राजनीतिक संघर्षों, युद्ध अपराधों और असंख्य मानवाधिकार उल्लंघनों के इस युग में, विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। (2)यह विश्वव्यापी स्तर पर एक पर्याप्त रूप से सुदृढ़ अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता की ओर ध्यानआकर्षित करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए ज़िम्मेदार, बिना जवाबदेही के न बच सकें।(3) यूक्रेन, गाजा और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में उभर रहे संकटों को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय न्याय एक महत्वपूर्ण तंत्र है जो आम नागरिकों की रक्षा करता है और आगे होने वाले अत्याचारों को प्रभावी रूप से रोक सकता है।(4) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) जैसी संस्थाओं और न्याय प्रशासन में राज्यों के बीच सहयोग के महत्व को भी उजागर करता है। (5) ऐसे युग में जहाँ बहुपक्षवाद और कानून के शासन को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, यह स्मरणोत्सव शांति, जवाबदेही और पीड़ितों के अधिकारों के प्रति वैश्विक निष्ठा की याद दिलाता है। (6) इसलिए यह एक ऐसी न्यायपूर्ण दुनिया की दिशा में प्रेरणा देता है जहाँ न्याय सीमाओं और राजनीतिक हितों से परे जाकरसख़्ती से लागू हो।

साथियों बात अगर हम विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाने के उद्देश्यों की करें तो, (1) विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उसे बढ़ावा देना तथा दुनिया में सबसे गंभीर अपराधों के लिए दंड से मुक्ति के विरुद्ध संघर्ष करना है (2) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ॿष्ष्) जैसे कानूनी तंत्रों के माध्यम से नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के कुख्यात अपराधियों को जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर बल देता है। (3) यह दिवस मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन को बनाए रखने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।(4) इसलिए यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को सहयोग और ठोस अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढाँचों के माध्यम से एक अधिक न्यायपूर्ण और निष्पक्ष विश्व के निर्माण हेतु मिलकर काम करने की याद दिलाता है।

साथियों बात अगर हमअंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) को समझने की करें तो-परिचय (1) यह विश्व का पहला स्थायी, स्वतंत्र और अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण है जो उन व्यक्तियों पर मुकदमा चलाता है जिन्होंने अत्यंत गंभीर अपराध किए हों। (2) इसमें चार प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय अपराधों को सम्मिलित किया गया है-नरसंहार युद्ध संबंधी अपराध, मानवता के विरुद्ध अपराध तथाआक्रामकता से संबंधित अपराध। (3) इस न्यायालय का मुख्यालय हेग, नीदरलैंड्स में स्थित है और यह जुलाई 2002 से कार्य कर रहा है। (4) भारत ने अभी तक रोम संविधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, अतः वह आईसीसी का सदस्य नहीं है। (5) भारत का मानना है कि आईसीसी की कुछ धाराएं उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता, सैन्य कार्रवाई और आंतरिक सुरक्षा नीतियों के लिए बाधक हो सकती हैं। (6) भारत यह भी आशंका जताता हैकि आईसीसी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के वीटोयुक्त देशों का अत्यधिक प्रभाव है, जिससे निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के ढांचे की करें तो,संयुक्त राष्ट्र सेसंबंधित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय द हेग में है। इस न्यायालय में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रेंच, रसियन, स्पेनिश, अरेबिक, चाइनीज) में सुनवाई होती है, लेकिन काम अंग्रेजी और फ्रेंच में ही होता है। इसके सदस्य देशों की संख्या 123 है। 17 जुलाई 1998 को इसकी स्थापना हुई थी, इसने 1 जुलाई 2002 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया।

साथियों बात अगर हम न्यायालय की ज़रूरत की करें तो अपराध की दुनिया पर लगाम लगाने के लिए न्यायालय की जरूरत पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व में न्याय दिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना हुई थी।प्रतिवर्ष आज ही के दिन 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। इसे आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्याय दिवस भी कहा जाता है। इसी दिन अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना हुई थी। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के प्रति जागरूक करना है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के क्रियाकल्प की करें तो, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय एक स्थाई और स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक ऑर्गेनाइजेशन है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवीय और मानव अधिकारों के सबसे गंभीर उल्लंघन के आरोपियों को दंडित करने में सक्षम है। जिसमें नरसंहार का अपराध, अपराधों का युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय स्थापना तब हुई जब, राज्यों ने रोम में एक कानून को अपनाया इस की प्रतिमा को अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय के संविधि के रूप में जाना जाता है। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों की जगह नहीं लेता है। लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच करने में सक्षम नहीं होता और अपराधियों पर यह मुकदमा चला सकता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय को अंतिम उपाय मानने की करें तो, अंतिम उपाय की अदालत के रूप में सेवा करने के इरादे से,आईसीसी मौजूदा राष्ट्रीय न्यायिकप्रणालियों का पूरक है और अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग तभी कर सकता है जब राष्ट्रीय अदालतें अनिच्छुक हों या अपराधियों पर मुकदमा चलाने में असमर्थ हों।

(चिंतन- मनन)

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है।

संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है!

आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। भूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

विचार मंथन

संसद का मानसून सत्र इस बार आर या पार

(लेखक - सनत जैन)

21 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है इस बार का मानसून सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए आर पार की लड़ाई जैसा होगा। केंद्र में गठबंधन की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके पूर्व कभी भी गठबंधन की सरकार नहीं चलाई है। 2002 से लेकर 2024 तक वह हमेशा पूर्ण बहुमत की सरकार के मुख्यमंत्री अथवा प्रधानमंत्री रहे हैं। 2024 के बाद वह गठबंधन के प्रधानमंत्री हैं। 10 वर्षों के बाद विपक्ष संसद में मजबूत हुआ है। पिछले दो-तीन महीने में जिस तरह की घटनाएं भारत में हुई हैं। उससे सरकार की मुसीबतें बढ़ रही हैं। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से केंद्र की सत्ता एका धिकार के बल पर संचालित हो रही थी। वैसी ही स्थिति 11वें साल में केन्द्र सरकार रखना चा हती है। जिसके कारण भाजपा की मुसीबतें बढ़ने लगी हैं। केंद्र सरकार में भाजपा के सबसे बड़े सहयोगी राजनीतिक दल तेलुगु देशम पार्टी और बिहार में जनता दल है। यदि इन दोनों दलों द्वारा समर्थन वापस ले लिया जाता है, तो सरकार गिर भी सकती है। ऐसी स्थिति में सरकार मध्यावती चुनाव का निर्णय ले सकती है। सदन के अंदर यदि सरकार पराजित होती है, ऐसी स्थिति में इंडिया गठबंधन अन्य राजनीतिक दलों के साथ समझौता करके केंद्र में सरकार बना सकती है। यह बात इसलिए लिखना पड़ रही है, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन समीक्षा में जिस तरह की प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा अपनाई जा रही है। उसके कारण चुनाव आयोग की साख पूरी तरह से खत्म होती हुई नजर आ रही है। चुनाव आयोग की यह पहचान भी बन रही है, वह केंद्र सरकार और भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। चुनाव आयोग मतदाता सूची के लिए जो दस्तावेज मांग रहा है, उसमें आधार कार्ड को मान्य नहीं है। वर्तमान में आधार कार्ड ही भारतीय नागरिकों के पास सबसे प्रमाणिक सरकारी दस्तावेज है। सारे सरकारी कामकाज इसी आधार कार्ड से हो रहे हैं। आधार कार्ड बनाते समय लोगों के आंखों की पुतलियां, फिंगरप्रिंट और उनके परिवार से संबंधित सभी लोगों का आधार कार्ड अ निवार्य है। चुनाव आयोग आधार के स्थान पर ऐसे दस्तावेज मांग रहा है, जो फर्जी हो सकते हैं। उनकी प्रमाणिकता कभी भी साबित नहीं हो सकती है। इसको लेकर टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू ने स्पष्ट रूप से आयोग के सामने विरोध जता दिया है। जनता दल में मतदाता सूची को लेकर बिहार में दो फाड़ हो चुका है। इंडिया गठबंधन पहले ही जम्मू कश्मीर के पहलगांव में 28 पर्यटकों की मौत, उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर, जब भारतीय सेना जब पाकिस्तान को बड़ा नुकसान पहुंचा रही थी, उस समय सीजफायर करना, ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय विमानों का गिरना, भारतीय सेना द्वारा यह कहना कि मीडिया और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण भारतीय सेना को नुकसान हुआ है। पाकिस्तान द्वारा लड़ाई में चीन के हथियारों का इस्तेमाल करने के साथ-साथ चीन द्वारा सैटेलाइट मैपिंग एवं तकनी कि का भारत के खिलाफ पाकिस्तान को लड़ाई में सहयोग दिया है। ऑपरेशन सिंदूर को दुनिया के किसी देश का समर्थन नहीं मिलने, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता का पैकेज मिलने, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराने, पाकिस्तान के जनरल मुनीर को अमेरिका बुलाकर व्हाइट हाउस में लंच कराकर सम्मानित करने, चीन के साथ भारत का आयात और निर्यात घाटा बढ़ने, भारत का चीन के साथ सीमा विवाद, मणिपुर में लगातार अशांति, दलाई लामा को लेकर चीन के साथ तनाव के मुद्दे विपक्ष के पास हैं। भारत के उद्योगपति गौतम अडानी, सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अब विदेश मंत्री जयशंकर का चीन जाना सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहा है। इसी तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार भारत को टैरिफ की धमकी देते हुए अमेरिका से कारोबार बढ़ाने, अमेरिका से कृषि और डेयरी उत्पाद को भारत में आयात करने, रूस के साथ तेल और सैन्य डील को खत्म करने का दबाव बनाया जा रहा है। इन सभी मामलों में सरकार ने चुप्पी साध रखी है। जिसके कारण इस संसद सत्र में सरकार के लिए बड़ी परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। बिहार की मतदाता सूची को लेकर चुनाव आयोग इलाहाबाद हाईकोर्ट के दो जजों के खिलाफ महाभियोग को लेकर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष में तनातनी बनी हुई है। 21 जुलाई से शुरू होने वाले इस मानसून सत्र में सरकार डिजिटल प्रतिस्पर्धा विधेयक, जीएसटी न्यायाधिकरण विधेयक, सार्वजनिक खरीद विधेयक, दिवालियापन एवं ऋण शोधन संहिता संशोधन विधेयक, खेलों में नैतिक आचरण संशोधन विधेयक, भू वैज्ञानिक विरासत संरक्षण विधेयक, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाए जाने का विधेयक पास कराना चाहती है। इसके अलावा वक्फ बिल को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ सकता है। बिहार में सघन मतदाता सूची का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट का सुझाव, चुनाव आयोग मानता है या नहीं, इसको लेकर भी संसद में विपक्ष बहुत आक्रामक भूमिका में होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरबीआई के नकदी उपायों से 2025 में सस्ते होंगे ऋण फिच

- ब्याज दरों में संभावित एक फीसदी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंच पाएगा

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी डालने और नकद-आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कटौती जैसे कदमों से 2025 में ब्याज दरों में संभावित एक फीसदी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंच पाएगा। फिच ने बताया कि आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के जरिए 2025 में अब तक करीब 5.6 लाख करोड़ रुपये की टिकाऊ नकदी प्रणाली में डाली है, जिससे मार्च के बाद से बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी देखने को मिल रही है। इसके अलावा, आरबीआई ने सीआरआर में एक फीसदी की कटौती का निर्णय लिया है, जिससे चरणबद्ध तरीके से लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी बाजार में आएगी। सीआरआर में यह कटौती 2025 की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के तहत घोषित की गई है। यह कटौती 29 नवंबर 2025 तक चार किस्तों में पूरी होगी, जिसके बाद बैंकों को कुल सीआरआर तीन फीसदी रखना होगा। यानी बैंकों को आरबीआई के पास कम नकदी जमा करनी होगी और वे ज्यादा राशि उधार देने में सक्षम होंगे। फिच ने कहा कि आरबीआई के ये कदम उसके अक्टूबर 2024 की रिपोर्ट से बदले रुख को दर्शाते हैं, जिसमें अब ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने पर जोर है, वह भी बिना वित्तपोषण लागत में अत्यधिक बढ़ोतरी किए। इन उपायों से आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की संभावना है और ऋण सस्ता होने से उपभोक्ता तथा उद्योग जगत दोनों को राहत मिल सकती है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.96 रुपये पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी तथा निर्यात एवं आयात में गिरावट के बीच रुपया आज शुरुआती कारोबार में 22 पैसे टूटकर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में भारी गिरावट को रोका। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.02 पर खुला। फिर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट दिखात है। विदेशी बाजार में डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपया मंगलवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.76 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ 98.60 पर आ गया।

ओपनएआई के चैटजीपीटी में ग्लोबल आउटेज, यूजर को ऐक्सेस करने में आ रही दिक्कत

न्यूयार्क । ओपनएआई के चैटजीपीटी को बुधवार की सुबह के बड़े ग्लोबल आउटेज का सामना करना पड़ रहा है। आउटेज के चलते हजारों यूजर को चैटजीपीटी को ऐक्सेस करने में परेशान हो रहे है। साथ ही इस आउटेज का असर ओपनएआई के दूसरे टूल्स पर भी हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार इस आउटेज की शुरुआत सुबह 6 बजे के आसपास हुई और सुबह 7.10 पर भी पीक पर था। कई यूजर्स के ऑनलाइन पोस्ट्स में बताया कि वे चैटजीपीटी को बिल्कुल भी यूज नहीं कर पा रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स ने एपीआई कॉल्स, सोरा के रिस्पॉन्स में देरी और कोडेक्स के परफॉर्मेंस से जुड़ी परेशानियों का जिक्र किया। कुछ यूजर्स ने चैट स्क्रीन के ब्लैंक स्क्रीनशॉट्स के साथ लॉगिन वेरिफिकेशन लूप्स के स्क्रीनशॉट्स को भी शेयर किया है। यूजर्स ने कहा कि उन्हें चैट कन्वर्सेशन के बीच में रुकावट आ रही थी, जिससे उनका डेटा लॉस हो गया। रियल टाइम प्रोग्रामिंग हेल्प के लिए कोडेक्स पर निर्भर रहने वाले डिवेलपर्स और सोरा से वीडियो जेनरेट करने वाले क्रिएटिव्स ने भी सर्विस में देरी की शिकायत की है। ओपनएआई ने अपने स्टेटस पेज पर इस बड़े आउटेज को तुरंत स्वीकार किया। कंपनी ने कहा हम अभी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। चैटजीपीटी रिकॉर्ड मोड, सोरा और कोडेक्स पर बहुत ज्यादा गड़बड़ी दिख रही है। हमने पाया है कि इस आउटेज से प्रभावित सर्विसेज के लिए यूजर्स को हाई एरर रेट का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी ने यूजर्स को भरोसा दिया कि इस समस्या को जल्द ठीक कर लिया जाएगा।

वैश्विक वस्तु व्यापार जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में 5.3 फीसदी बढ़ा- डब्ल्यूटीओ

- अक्टूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही के मुकाबले जनवरी-मार्च 2025 में 3.6 प्रतिशत की तेजी देखी गई

नई दिल्ली । विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने एक बयान जारी कर कहा कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में वैश्विक वस्तु व्यापार में सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अक्टूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही के मुकाबले जनवरी-मार्च 2025 में व्यापार में 3.6 प्रतिशत की तेजी देखी गई। डब्ल्यूटीओ के अनुसार इस वृद्धि के पीछे अमेरिका द्वारा सीमा शुल्क बढ़ाने की आशंका के कारण आयात गतिविधियों में तेजी आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक वस्तु व्यापार में यह बढ़ोतरी डब्ल्यूटीओ के पूर्वानुमानों से अधिक मजबूत रही। हालांकि, डब्ल्यूटीओ के अर्थशास्त्री भविष्यवाणी कर रहे हैं कि पूरे साल 2025 में वस्तु व्यापार की वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इसकी वजह पूरी तरह भरे हुए भंडार और उच्च सीमा शुल्क के कारण आयात मांग पर पड़ने वाला दबाव बताया गया है। क्षेत्रीय स्तर पर देखा जाए तो तिमाही आधार पर उत्तरी अमेरिका में आयात में सबसे ज्यादा, 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद अफ्रीका में 5.1 प्रतिशत, दक्षिण और मध्य अमेरिका तथा कैरिबियाई देशों में 3.6 प्रतिशत, पश्चिम एशिया में 3 प्रतिशत, यूरोप में 1.3 प्रतिशत और एशिया में 1.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि वैश्विक व्यापार पर अमेरिका की नीतियों का गहरा प्रभाव पड़ रहा है। सीमा शुल्क में संभावित बढ़ोतरी ने कई देशों में व्यापार गतिविधियों को प्रभावित किया है, जिससे आयात में असामान्य वृद्धि हुई है। डब्ल्यूटीओ का मानना है कि आने वाले महीनों में व्यापार की वृद्धि की गति स्थिर हो सकती है, क्योंकि व्यापारी और देश अपनी भंडारण नीतियों और शुल्क के प्रभाव को समायोजित करेंगे।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन वैश्विक बाजारों से` मिलेजुले संकेतों से बाजार में कुछ विशेष हलचल नहीं रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 63.57 अंकों की हल्की बढ़त के साथ 82,634.48 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 16.25 अंकों की मामुली बढ़त के साथ ही 25,212.05 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 14 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 16 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसी तरह निफ्टी की 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ जबकि 30 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 2.25 फीसदी। वहीं एटरनल (जोमेटो) के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.69 फीसदी टूटे।

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज टेक महिंद्रा के शेयर 1.94 फीसदी, एसबीआई 1.81, इंफोसिस 1.57, अडाणी पोर्ट्स 0.73, आईटीसी 0.54, एशियन पेंट्स 0.38, एलएंडटी 0.31, मारुति सुजुकी 0.20, एक्सिस बैंक 0.14, टाइटन 0.06, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.06, एनटीपीसी 0.06 की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर सनफार्मा के शेयर 1.49, टाटा स्टील 1.10, टाटा मोटर्स 0.87, बजाज फाइनेंस 0.71, बीईएल 0.67, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.38, कोटक महिंद्रा बैंक 0.63, टीसीएस 0.63, पावरग्रिड 0.50, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.46, आईसीआईसीआई बैंक 0.45 फीसदी नीचे आकर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई। सेंसेक्स 139 अंक की गिरावट के साथ 82,431 और निफ्टी 58 अंक की कमजोरी के साथ 25,137 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 6 अंक की मामूली गिरावट के साथ 59,605 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14 अंक की कमजोरी के साथ 19,120 पर था। सेंसेक्स गत दिवस भी बढ़त पर बंद हुआ था। वहीं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का रुख मिला-जुला रहा। टोक्यो, हांगकांग, जकार्ता और बैंकॉक हरे निशान में थे। शंघाई और सियोल लाल निशान में थे। अमेरिका में प्रमुख सूचकांक डाउ जोंस सोमवार को 0.98 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

त्रिसकैपिटल खरीदेगी थियोब्रोमा में बहुलांश हिस्सेदारी

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से मांगी मंजूरी

नई दिल्ली । मुंबई स्थित लोकप्रिय बेकरी श्रृंखला थियोब्रोमा में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के लिए तीन निजी इक्विटी कंपनियों ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। इनमें इन्फिनिटी पार्टनर्स और एटराइड्स इन्वेस्टमेंट्स बीवी (दोनों त्रिसकैपिटल से संबद्ध) और एक्का इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड शामिल हैं। यह प्रस्ताव ऐसे समय पर सामने आया है जब घरेलू निजी इक्विटी फर्म त्रिसकैपिटल, थियोब्रोमा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में लगभग 90 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की योजना बना रही है। इस डील का अनुमानित मूल्य करीब 2,410 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। त्रिसकैपिटल ने यह हिस्सेदारी थियोब्रोमा के संस्थापकों और मौजूदा निवेशक आईसीआईसीआई वेंचर से हासिल करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। डील के बाद संस्थापक कंपनी में लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी बरकरार रखेंगे। सीसीआई को दी गई जानकारी के अनुसार प्रस्तावित लेनदेन में ये तीनों कंपनियां सामूहिक रूप से थियोब्रोमा की कुछ इक्विटी शेयरधारिता का अधिग्रहण करेंगी। थियोब्रोमा की शुरुआत 2004 में दो बहनों ने की थी। वर्तमान में यह कंपनी भारत के 30 से अधिक शहरों में अपने बिक्री केंद्रों और ऑनलाइन माध्यमों से बेकरी, कन्फेक्शनरी और खाद्य पेय पदार्थों की बिक्री करती है।

श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल शुल्क पर चर्चा करने अमेरिका जाएगा

कोलंबो । श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने बताया कि अमेरिकी शुल्क विवाद पर चर्चा के लिए एक प्रतिनिधिमंडल 18 जुलाई को वॉशिंगटन रवाना होगा। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 44 प्रतिशत शुल्क के जवाब में श्रीलंका ने अमेरिकी वस्तुओं पर 88 प्रतिशत शुल्क लगाया था। अब 1 अगस्त की समय सीमा से पहले श्रीलंका इस शुल्क को 30 प्रतिशत तक कम कराने की कोशिश करेगा। हेराथ ने कहा कि अमेरिका से मिले पत्र में शुल्क कटौती की संभावना जताई गई है, जिसे लेकर श्रीलंका गंभीर है। देश के परिधान उद्योग पर इस विवाद का सीधा असर पड़ा है, जिससे हजारों नौकरियां खतरे में हैं। श्रीलंका हर साल अमेरिका को लगभग 3 अरब डॉलर का निर्यात करता है, जबकि केवल 30 करोड़ डॉलर का आयात करता है। विशेषज्ञों के अनुसार शुल्क कायम रहने से श्रीलंका को बड़ा आर्थिक नुकसान होगा।

मस्क के ग्रोक ने की यहूदी विरोधी बातें और हिटलर की तारीफ की

एक्स की एआई कंपनी ने आलोचना के बाद माफीनामा किया जारी

वाशिंगटन।

दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनका एआई चैटबोट ग्रोक धूम मचा रहा है, लेकिन कुछ दिन पहले ग्रोक ने कुछ ऐसा कर दिया कि अब मस्क की कंपनी को माफी मांगनी पड़ रही है। बता दें ग्रोक ने कुछ यूजर्स को जवाब देते हुए जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर की तारीफ करते हुए यहूदी विरोधी बातें कहीं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर ग्रोक की आलोचना हो रही थी।

अब कंपनी ने ग्रोक के इस कारनामे को संभालने के लिए माफी नामा जारी किया है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि ग्रोक के हालिया क्रैश के लिए मूल कोड में एक अपडेट को जिम्मेदार बताया है। ग्रोक की कंपनी एक्स एआई ने अपने बयान में कहा कि सबसे पहले हम कई लोगों द्वारा अनुभव किए गए व्यवहार के लिए क्षमा चाहते हैं। ग्रोक के साथ हारा उद्देश्य यूजर्स को उपयोगी और सही जानकारी देना है। इसकी सावधानीपूर्वक जांच करने पर हमें पता चला की गड़बड़ी का कारण एक अपडेट था। हमने इसमें सुधार कर दिया है।

मस्क की कंपनी ने बताया कि यह गलत सिस्टम अपडेट 16 घंटे तक सक्रिय रहा। जिसकी वजह से ग्रोक ने कई संवेदनशील पोस्ट की। कई पोस्ट ऐसी थीं, जिनमें कट्टरवादी विचार भी शामिल थी। मस्क की कंपनी ने अपने बयान में कहा था कि उन्होंने गलत अपडेट को हटा दिया है। इसके अलावा इस तरह की घटना दोबारा न हो इसके लिए नए सिस्टम को रिफैक्टर किया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक इस अपडेट में ग्रोक को कई तरह के निर्देश दिए गए थे, जिसमें उसे सवाल की भाषा को समझने और उसी भाषा में जवाब देने और हकीकत जैसी है..वैसी ही बताने के लिए कहा गया था। इस वजह से ऐसा हुआ।

बता दें एक्स पर एक यहूदी सरनेम वाले व्यक्ति ने टेक्सास में मारे गए अमेरिकी बच्चों का मजाक उड़ाते हुए पोस्ट किया था। इस पर ग्रोक ने लिखा- एक्टिविज्म के नाम पर नफरत का एक शानदार उदाहरण..जैसा की वे हर बार कहते हैं..हिटलर ने इसका विरोध किया होता और इसे कुचल दिया होता। एक और पोस्ट में ग्रोक ने लिखा था कि एक गोरा व्यक्ति इनोवेशन, दृढ़ता और पीसी बकवास के आगे न झुकने का प्रतीक है। बता दें मस्क शुरुआत से ही ग्रोक को एक सही और सत्य खोजी चैटबोट बताते रहे हैं। हालांकि अमेरिका में कई मीडिया संस्थानों ने इसकी पुष्टि की है कि जब ग्रोक से किसी खास मुद्दे पर पूछा जाता है तो वह एलन मस्क की सोच और उनकी पोस्ट का विश्लेषण ही बताता है।

कोटक महिंद्रा बैंक की डिजिटल सेवाएं 17 से 21 जुलाई तक बंद!

मुंबई । अगर आपका खाता कोटक महिंद्रा बैंक में है, तो यह खबर आपके लिए जरूरी है। बैंक ने मेंटेनेंस कार्य के चलते अपनी कुछ डिजिटल सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रखने की घोषणा की है। 17 और 18 जुलाई की रात 12 बजे से सुबह 2 बजे तक मोबाइल और नेट बैंकिंग से एनईएफटी ट्रांजैक्शन नहीं किए जा सकेंगे। 20 और 21 जुलाई की रात 12 बजे से सुबह 2 बजे तक नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं इन ही तारीखों को रात 12 से सुबह 3 बजे तक पेमेंट गेटवे सेवा भी काम नहीं करेगी। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि जरूरी ट्रांजैक्शन पहले ही पूरी कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। इस दौरान सावधानी बरतें और समय से पहले बैंकिंग कार्य निपटा लें।

टेस्ला के मुंबई में शोरूम खोलने पर आनंद महिंद्रा ने किया स्वागत

मुंबई ।

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने मुंबई में टेस्ला के पहले शोरूम खोलने पर एलन मस्क और उनकी कंपनी टेस्ला का गर्मजोशी से स्वागत किया है। टेस्ला ने भारत में अपनी आधिकारिक एंट्री कर दी है और मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में पहला शोरूम खोला है। टेस्ला ने अपनी मॉडल वाय कार के दो वेरिएंट लॉन्च किए हैं, जिनकी कीमतें 60.1 लाख रुपये से 67.8 लाख रुपये के बीच हैं। हालांकि, भारत में उच्च आयात शुल्क के कारण ये कारें अन्य देशों के मुकाबले महंगी हैं। टेस्ला की शुरुआत मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम में होगी, और डिलीवरी 2025 के अंतिम महीनों में शुरू होगी। आनंद महिंद्रा ने इस प्रतिस्पर्धा को सकारात्मक रूप में लिया और इसे इनोवेशन को आगे बढ़ाने वाला बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, भारत में आपका स्वागत है एलन मस्क और टेस्ला दुनिया के सबसे बड़े ईवी अवसरों में से एक अब और भी रोमांचक हो गया है। प्रतिस्पर्धा इनोवेशन को जन्म देती

है, और आगे एक लंबा रास्ता है। चार्जिंग स्टेशन पर मुलाकात का इंतजार रहेगा। बता दें कि टेस्ला की इलेक्ट्रिक कार शुरुआत में केवल मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम में उपलब्ध होगी। इसकी डिलीवरी 2025 के अंतिम महीनों में दी जाएगी। मुंबई के बाद अगला शोरूम दिल्ली में खोले जाने की योजना है।

अमेरिका में दवाइयों और कंप्यूटर चिप्स पर भारी टैरिफ लगाने की तैयारी

- दवाइयों पर यह टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा

वाशिंगटन ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ऐलान किया कि वे इस महीने के अंत तक दवाइयों और कंप्यूटर चिप्स जैसे महत्वपूर्ण उत्पादों पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि दवाइयों पर यह टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा। शुरुआत में यह शुल्क कम होगा, लेकिन एक साल बाद इसे बढ़ाकर 200 प्रतिशत तक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दवा कंपनियों को अमेरिका में उत्पादन शुरू करने के लिए एक साल का समय दिया जाएगा। ट्रंप ने पिट्सबर्ग से वाशिंगटन लौटने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम पहले कम टैक्स लगाएंगे ताकि कंपनियों को मौका मिले। एक साल बाद हम टैक्स को काफी बढ़ा देंगे। इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी बताया कि वे सेमीकंडक्टर यानी कंप्यूटर चिप्स पर भी टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इसके बारे में उन्होंने फिलहाल अधिक विवरण साझा नहीं किया। उनका कहना था कि चिप्स पर टैरिफ लागू करना दवाइयों की तुलना में आसान है। ट्रंप ने इससे पहले एक कैबिनेट बैठक में यह संकेत भी दिया था कि वे आने वाले हफ्तों में कॉपर (तांबा) पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने जा रहे हैं। उनकी यह नीति अमेरिकी उद्योगों को प्रोत्साहित करने और विदेशी आपूर्ति पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। ट्रंप का मानना है कि इससे अमेरिका में रोजगार बढ़ेगा और उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

टेस्ला का मिशन है दुनिया को सस्टेनेबल एनर्जी की ओर ले जाना

- कंपनी का उद्देश्य

पर्यावरण के अनुकूल, शुद्ध इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाना

नई दिल्ली । एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने आखिरकार भारत में अपनी औपचारिक एंट्री कर ली है। कंपनी ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोल दिया है और इसके साथ ही दो इलेक्ट्रिक कार मॉडल्स लॉन्च किए हैं। टेस्ला दुनिया की सबसे अग्रणी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी है और इसका उद्देश्य पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल, शुद्ध इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ बनाना है। यह कंपनी न तो पेट्रोल और न ही डीजल से चलने वाली कोई भी गाड़ी बनाती है। टेस्ला का मिशन है दुनिया को सस्टेनेबल एनर्जी की ओर ले जाना, और इसी कारण यह केवल बैटरी से चलने वाले वाहन बनाती है। अब तक टेस्ला की सबसे बड़ी मौजूदगी अमेरिका, चीन और यूरोप में रही है। अमेरिका टेस्ला का सबसे बड़ा बाजार है, जहां मॉडल वाय और मॉडल 3 सबसे अधिक बिकते हैं। अमेरिका में इसके प्रोडक्शन यूनिट कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट, ऑस्टिन और टेक्सास में स्थित हैं। चीन इसका दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जहां शंघाई स्थित गीगाफैक्ट्री से वाहनों का निर्माण और आपूर्ति होती है। यूरोप के देशों जर्मनी, नॉर्वे, नीदरलैंड्स और फ्रांस में भी टेस्ला की गाड़ियों को काफी पसंद किया जाता है। भारत में लॉन्च की गई टेस्ला की सबसे महंगी कार मॉडल एक्स प्लेड है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ है। यह कार महज 2.5 सेकंड में 0 से 96 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है और एक बार चार्ज करने पर 547 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है। वहीं कंपनी की सबसे सस्ती कार मॉडल वाय आरडब्ल्यूडी है, जिसकी कीमत भारत में करीब 61 लाख बताई जा रही है। यह कार 6.6 सेकंड में 96 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है और इसकी रेंज लगभग 455 किलोमीटर है।

टाटा स्टील ने यूके में किया इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस का शिलान्यास

जमशेदपुर (ईएमएस)। टाटा ग्रुप और टाटा स्टील के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने हाल ही में यूके के पोर्ट टैलबोट में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) परियोजना का शिलान्यास किया। इस मौके पर टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी टीवी नरेंद्रन तथा टाटा स्टील यूके के सीईओ राजेश नायर भी उपस्थित रहे। यह परियोजना टाटा स्टील के 1.25 बिलियन डॉलर के हरित रूपांतरण कार्यक्रम का अहम हिस्सा है, जिसमें यूके सरकार की ओर से 500 मिलियन डॉलर का महत्वपूर्ण वित्तीय सहयोग भी मिल रहा है। यह इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस यूनिट यूके में अब तक की सबसे बड़ी और अत्याधुनिक निम्न-कार्बन स्टील उत्पादन सुविधा होगी। इसका लक्ष्य 2027 के अंत तक परिचालन शुरू करना है। इस परियोजना के जरिए पोर्ट टैलबोट में कार्बन उत्सर्जन में लगभग 90 फीसदी की भारी कमी आएगी, जो प्रति वर्ष करीब 5 मिलियन टन कार्बन मोनोऑक्साइड के बराबर है। इस तरह यह पर्यावरण के संरक्षण में भी एक बड़ी पहल साबित होगी। इसके अलावा, यह

नई सुविधा यूके में 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विराट कोहली ने रचा इतिहास, सभी फॉर्मेट में 900 रेटिंग अंक छूने वाले पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली टी20आई और हाल में टेस्ट से संन्यास लेने के बावजूद लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने बुधवार को उनके अधिकतम टी20आई रेटिंग अंक 909 अंक तक बढ़ा दिए हैं। इस तरह वह खेल के सभी रूपों में ICC पुरुष क्रिकेट रैंकिंग में 900 अंकों का आंकड़ा पार करने वाले खेल इतिहास के एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं।

पिछले साल ICC टी20 विश्व कप के फाइनल में 76 रन की शानदार पारी खेलकर खिताब अपने नाम करने वाले कोहली ने अपनी टी20आई रेटिंग में सुधार किया। संशोधन के अनुसार ICC ने उनकी सर्वकालिक टी20आई रेटिंग को 897 से बढ़ाकर 909 कर दिया है। यह ICC पुरुष टी20आई रैंकिंग में किसी बल्लेबाज द्वारा हासिल किए गए तीसरे सबसे अधिक रेटिंग अंक हैं, जो सूर्यकुमार यादव (912) और इंग्लैंड के डेविड मलान (919) के बाद तीसरे स्थान पर हैं, जो रैंकिंग चार्ट में शीर्ष पर काबिज हैं।

ICC पुरुष टेस्ट रैंकिंग में विराट के सर्वोच्च रेटिंग अंक 937 हैं, जो किसी भारतीय बल्लेबाज के लिए सर्वाधिक और कुल मिलाकर 11वें सर्वाधिक हैं। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड दौरे के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी, जहां उन्होंने 10 पारियों में दो शतकों और तीन अर्द्धशतकों की मदद से 593 रन बनाए थे और बल्लेबाजों के लिए एक खराब श्रृंखला में भारत के लिए अकेले योद्धा रहे थे।

वनडे में विराट के रेटिंग अंक 2018 में इंग्लैंड दौरे के दौरान 909 के शिखर पर पहुंच गए थे, जहां उन्होंने तीन वनडे मैचों में 191 रन बनाए थे, जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे। अपनी सफलता के चरम पर विराट को एक समय ICC पुरुष टेस्ट, वनडे और टी20आई रैंकिंग में एक साथ नंबर एक बल्लेबाज का दर्जा दिया गया था।

इस नई उपलब्धि के साथ विराट ने एक और मजबूत बयान दिया है जो इस तर्क का समर्थन करता है कि वह सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ ऑल-फॉर्मेट बल्लेबाज हो सकते हैं। विराट ने 125 मैचों और पारियों में 48.69 की औसत से 4,188 रन बनाकर टी20आई से संन्यास लिया, जिसमें एक शतक और 25 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 122* है। वह इस प्रारूप के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

इस साल मई में विराट ने नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) चक्र से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जो ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद लिया गया जहां वह 5 मैचों की नौ पारियों में 23.75 की औसत से केवल 190 रन ही बना सके, जिसमें पर्थ में एक शतक उनका उल्लेखनीय योगदान था। वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में सेवानिवृत्त हुए और कुल मिलाकर सर्वकालिक सूची में 19वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए हैं, जिसमें 30 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254* है।

विराट अभी भी एकदिवसीय मैचों में सक्रिय हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। वह वनडे में अब तक के तीसरे सबसे ज़्यादा रन

बनाने वाले और भारत के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनका आखिरी वनडे मैच मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाला अभियान था, जिसके दौरान उन्होंने पाँच मैचों में 218 रन बनाए, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ एक शतक और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक अर्धशतक शामिल था।

सभी प्रारूपों में विराट ने 52.27 की औसत से 27,599 रन बनाए हैं जिसमें 617 पारियों में 82 शतक और 143 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254* है। वह भारत के अब तक के दूसरे सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले और कुल मिलाकर तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

पीवी सिंधू जापान ओपन के पहले दौर में बाहर, सात्विक-चिराग और लक्ष्य दूसरे दौर

तोक्यो (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू एक बार फिर पहले दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रही लेकिन लक्ष्य सेन पुरुष एकल तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को यहां जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में आसान जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंच गए। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू को इस सुपर 750 टूर्नामेंट में कोरिया की सिम यू जिन के हाथों 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस वर्ष पांचवां अवसर है जबकि सिंधू पहले दौर की बाधा पार नहीं कर पाई।

सिंधू ने पहले गेम में थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस बीच उन्होंने काफी गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर सिम यह गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सिंधू जल्दी ही 1-6 से पीछे हो गईं। वह हालांकि स्कोर 11-11 से बराबर करने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने आसानी से बढ़त बनाकर सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। सिम ने इस तरह से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की।

इससे पहले पुरुष युगल वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जु की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में 21-18, 21-10 से हराया। विश्व के पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा और कोरिया के खिलाड़ियों में पहले गेम में उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शुरू से ही दबदबा बना कर रखा और आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।

इस बीच पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के वांग झेंग जिंग को 21-11, 21-18 से हराया। विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और 11-2 की बढ़त बना ली और फिर बिना किसी परेशानी के गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जिंग ने चुनौती पेश की लेकिन लक्ष्य ने शुरुआती लय का फायदा उठाते हुए बढ़त बनाए रखी और सीधे गेम में मैच जीत लिया। उनका सामना जापान के सातवें वरीय खिलाड़ी कोडाई नाराओका से होगा।

आईसीसी ने इंग्लैंड टीम पर लगाया भारी जुर्माना

डब्लयूटीसी अंक भी काटे

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड की टीम पर भारी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही भारत के खिलाफ इस टेस्ट में मिली जीत के बाद भी इंग्लैंड की टीम के खाते में से आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) अंक भी काटे गए हैं। धीमी ओवर गति के लिए आईसीसी ने इंग्लैंड पर 10 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाया है। इसके साथ-साथ टीम के खाते में से दो अंक काटे गए हैं, जिससे उनका जीत प्रतिशत 66.67 से नीचे आया है और वह दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गई है। दूसरा मैच जीतकर इंग्लैंड के 66.67 फीसदी जीत अंक थे जो अब घटकर 60 फीसदी रह गये हैं।

आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड की टीम को धीमी ओवर गति के लिए दोषी पाया है। दो ओवर की देरी इंग्लैंड टीम पर भारी पड़ी है। प्लेयर्स एंड प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में असफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इंग्लैंड ने दो ओवर तय समय में नहीं फेंके तो उन पर 10 फीसदी जुर्माना लगा है।

इंग्लैंड की टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ये गलती स्वीकार कर ली ओर दंड भी मान लिया है। इसलिए इस मामले में आगे औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, तीसरे अंपायर अहसान रजा और चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने इंग्लैंड पर ये आरोप तय किए थे। मैच रेफरी ने इन आरोपों को सही पाया और इंग्लैंड को सजा दी गई।

जो रूट एक सप्ताह बाद फिर टेस्ट रैंकिंग में नं. 1 बल्लेबाज बने, बुमराह शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने इसे खोने के एक सप्ताह के भीतर ही शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा बुधवार को जारी नवीनतम सूची में 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ 5 मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट में रूट ने 104 और 40 रनों की पारी खेली थी। इंग्लैंड ने यह मैच 22 रनों से जीता था। इस पारी की बदौलत रूट ने आठवीं बार शीर्ष स्थान हासिल किया है।

रूट 34 साल की उम्र में दिसंबर 2014 में कुमार संगकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज हैं। संगकारा तब 37 साल के थे। रूट ने अपना शीर्ष स्थान हमवतन हैरी ब्रूक से गंवा दिया था, जो केन विलियमसन के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और उप-कप्तान ऋषभ पंत एक-एक पायदान नीचे खिसककर क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर हैं जबकि कप्तान शुभमन गिल भी तीन पायदान गिरकर नौवें स्थान पर आ गए हैं।

लॉर्ड्स में 72 रनों की पारी और नाबाद 61 रनों की आक्रामक पारी के बाद जडेजा 5 पायदान ऊपर चढ़कर

34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उसी मैच में 100 और 39 रनों की पारी खेलने वाले केएल राहुल भी 5 पायदान ऊपर चढ़कर अब जडेजा से एक पायदान पीछे 35वें स्थान पर हैं। लॉर्ड्स में 77 रन और 5 विकेट लेकर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रदर्शन ने उन्हें बल्लेबाजों में दो पायदान ऊपर चढ़कर 42वें और गेंदबाजों में एक पायदान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

बुमराह पहले स्थान पर कायम

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा पर 50 अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने लंबी छलांग लगाई है और छह स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

बोलैंड के टेस्ट क्रिकेट में 16.53 की औसत से 62 विकेट लेने वाले और उनका औसत से सिर्फ आईसीसी हॉल ऑफ फेमर्स जॉर्ज लोहमैन और सिडनी बार्न्स ही ले पाए हैं। वे अपने चार हमवतन खिलाड़ियों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और मिशेल स्टार्क के साथ शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 1958 में इंग्लैंड के छह गेंदबाजों के शीर्ष 12 में शामिल होने के बाद से इस तरह का दबदबा नहीं देखा गया है। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर 58वें से 46वें स्थान पर आ गए हैं।

डोपिंग मामले में टेनिस खिलाड़ी तारा पर चार साल का प्रतिब

लंदन। ब्रिटेन की महिला टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में चार साल प्रतिबंध लगाया जाएगा। खेल पंचाट ने तारा पर ये पाबंदी लगायी है। खेल पंचा अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति के बाद कह तारा को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए प्रतिबंधिति किया जाना ज था। इस खिलाड़ी को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रो के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था पर दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की अनु मिल गयी थी। वहीं इससे पहले एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण तारा पॉजिटिव हुई है आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी। खेल पंचा आईटीआईए के पक्ष में फैसला दिया, जिसमें कहा गया कि उसके पैनल के अधिक सदस्यों का यह मानना था कि तारा यह साबित नहीं कर पाई कि दूषित मांस के सेव कारण उनका नमूना पॉजिटिव पाया गया था।

जितेश शर्मा ने 2025-26 के घरेलू सत्र से पहले विदर्भ को छोड़ा, अब इस टीम के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली। विदर्भ और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर जितेश शर्मा आगामी सत्र में बड़ौदा का प्रतिनिधित्व करेंगे। 31 वर्षीय जितेश शर्मा 2024-25 रणजी ट्रॉफी के दौरान किसी मैच में नहीं खेले और कप्तान और पहली पसंद विकेटकीपर अक्षय वाडकर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। वह करुण नायर की अगुवाई वाली विदर्भ की सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा बने रहे। बड़ौदा में स्थानांतरण की योजना पिछले कुछ समय से चल रही थी और माना जा रहा है कि बड़ौदा के कप्तान क्रुणाल पांड्या के साथ जितेश के घनिष्ठ संबंधों ने इस कदम को आसान बनाया। क्रुणाल पांड्या इस साल की शुरुआत में रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत के दौरान उनके साथी खिलाड़ी थे। इस बदलाव से जितेश को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में नियमित खिलाड़ी के रूप में अपनी जगह पक्की करने का एक नया मौका मिल सकता है। जितेश 2015-16 में पदार्पण करने के बाद से पिछले दस सत्रों में केवल 18 प्रथम श्रेणी मैचों में ही खेल पाए हैं। उनका औसत 24.48 का है, जिसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे हालिया प्रथम श्रेणी मैच लगभग 18 महीने पहले खेला गया था। लाल गेंद वाले क्रिकेट में सीमित मैच खेलने के बावजूद, जितेश ने पिछले कुछ सालों में छोटे प्रारूपों में अपनी छाप छोड़ी है। 2023 में पंजाब किंग्स के लिए खेलने के बाद, जितेश ने उसी साल अक्टूबर में एशियाई खेलों के दौरान भारत के लिए टी20 में पदार्पण किया। उन्होंने नौ टी20 मैच खेले हैं।

भारत की अंडर-19 और इंग्लैंड के बीच खेला गया पहला यूथ टेस्ट रहा ड्रॉ

बेकेनहम (एजेंसी)। हमजा शेख (112) की शतकीय और राल्फी एल्बर्ट और जैक होम की जूझारू पारियों की बदौलत इंग्लैंड की अंडर-19 टीम भारत के खिलाफ खेले गए पहले यूथ टेस्ट मैच को आखिरी दिन ड्रॉ कराने में सफल रही। 350 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड मैच के आखिरी दिन मंगलवार को दूसरी पारी में सात विकेट पर 270 रन ही बना सकी।

भारत की अंडर-19 टीम ने दूसरी पारी में विहान मल्होत्रा के (63) और आरएस अम्ब्रिश के (53) रनों की बदौलत इंग्लैंड को 63 ओवर में 350 रनों का लक्ष्य दिया था। आर्ची वॉन ने इंग्लैंड के लिए 84 रन देकर छह विकेट लिए। इंग्लैंड, तीन विकेट जल्दी गंवाने के बाद हमजा शेख और बेन मेयस के बीच 119 रनों की साझेदारी हुई। मेयस 51 रन बनाकर आउट हुए। वहीं शेख 112 रनों की पारी खेलकर रनआउट हुये। जब रियू 50 रन बनाने के बाद आउट हुए तो भारत को जीत की उम्मीद जगी लेकिन अंत में राल्फी एल्बर्ट और जैक होम ने 11.5 ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए ड्रॉ सुनिश्चित किया।

इससे पहले भारत ने आखिरी दिन की शुरुआत 229 रनों की बढ़त और सात विकेट हाथ में के साथ की। जहां मल्होत्रा 34 और अभिज्ञान कुंडु क्रीज पर थे। मल्होत्रा को अपने अर्धशतक तक पहुंचने में केवल 15 मिनट लगे जब उन्होंने वॉन की गेंद पर कवर ड्राइव लगाते हुए चौका लगाया, लेकिन कुछ ही देर बाद वह रियू की गेंद पर आउट भी हो गए। बारिश के बाद जब मैच दोबारा शुरू हुआ तो रियू ने लंच से पहले भारत के दो और विकेट झटक लिए। कुंडु 11 रनों पर ग्रीन के हाथों लपके गए और राहुल कुमार हुक के प्रयास में विकेट के पीछे जेम्स मिंटो के द्वारा लपके गए।

वॉन ने मोहम्मद इनान को पांच और हेनिन पटेल को रॉकी फ्लिंटॉफ के द्वारा कैच कराकर अपना पांचवां विकेट लिए। इससे लंच तक भारत का स्कोर 8 विकेट पर 209 रन था। इसके बाद भारतीय टीम 57.4 ओवर में 248 रन पर सिमट गई। अब इंग्लैंड को जीत के लिए 350 रनों का लक्ष्य मिला।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सलामी बल्लेबाज ए वॉन मात्र तीन रन बनाकर देवेंद्रन की गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट हो गए। इसके बाद जेडन डेनली ने अंम्ब्रिश को हुक करने की कोशिश की और वैभव सूर्यवंशी ने 19 रन पर बाउंड्री पर कैच पकड़ लिया। जबकि फ्लिंटॉफ ने सिंह को ड्राइव करने की कोशिश की और 11 रन पर चावड़ा ने लांग

ऑन पर कैच पकड़ा। फिर भी मेयस जब सात रन पर थे तब देवेंद्रन के हाथों उन्हें जीवनदान मिला। चायकाल तक इंग्लैंड का स्कोर 3 विकेट पर 83 रन था और उस समय भी लक्ष्य का पीछा जारी था।

शेख ने सिंह की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इंग्लैंड को एक बड़ा झटका तब लगा जब दोनों बल्लेबाज विकेटकीपर छोर पर थे और भारत ने गलत स्टंप पर गेंद फेंकी, जिससे मेयस को सुरक्षित वापसी का मौका मिल गया। उन्होंने एक शानदार स्वीप शॉट लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मेयर (51) अम्ब्रिश की गेंद कैच आउट हुए।

रियू के आने और तुरंत आक्रामक होने के बाद, दोनों टीमों के बीच हाथ मिलाने की आशंकाएं खत्म हो गईं। एकांश सिंह (एक) रन आउट हुए। रियू 35 गेंदों में (50) रनों की अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुये। इसके रलफी एलबर्ट 37 और 36 गेंदे खेलकर मैच को ड्रा कराने में अहम योगदान दिया। भारत की अंडर-10 टीम ने पहली पारी में 540 रनों का विशाल स्कोर बनाया था। इंग्लैंड की टीम 439 रन ही बना सकी थी।

स्ट्राइकर दीपिका ने पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड जीता, पुरुषों में विक्टर वेगनेज को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर दीपिका ने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के भुवनेश्वर चरण के दौरान नीदरलैंड के खिलाफ किए गए अपने मैदानी गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार जीता है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2024-25 सत्र के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड विजेता का फैसला दुनियाभर के हॉकी खेल प्रेमियों के मतदान के आधार पर किया गया। दीपिका ने ये गोल फरवरी 2025 में प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान किया था। कलिंग स्टेडियम में खेला गया ये मैच निर्धारित समय में 2-2 से बराबर रहा था, जिसके बाद भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। भारतीय टीम जब दो गोल से पीछे चल रही थी, दीपिका ने 35वें मिनट में ये अविश्वसनीय गोल किया। उन्होंने नीदरलैंड की रक्षा पंक्ति को भेदते हुए बायीं ओर से बेहतरीन तरीके से ड्रिबल किया, बेसलाइन को छुआ और एक डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से गेंद को आगे निकालकर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया। दीपिका ने कहा कि, ये पुरस्कार पाकर मैं सचमुच सम्मानित महसूस कर रही हूं। नीदरलैंड जैसे कड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल करना मेरे लिए सचमुच में विशेष पल था और अब ये सम्मान पाना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने साथियों, कोचों, परिवार और दोस्तों का शुक्रिया अदा करती हूं जो हर दिन मेरा हौसला बढ़ाते रहते हैं।

'कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं' : लॉर्ड्स में करीबी हार के बाद केएल राहुल हुए भावुक

लंदन (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड से मिली हार के बाद एक भावुक संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि 'कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं'। शोएब बशीर के हाथों मोहम्मद सिराज का दुर्भाग्यपूर्ण आउट होना जिसमें गेंद पिच पर लगने के बाद वापस स्टंप्स में जा लगी, लॉर्ड्स में भारत के कड़े प्रतिरोध का अंत हो गया और रवींद्र जडेजा 22 रनों की दिल तोड़ने वाली हार के बाद मैदान पर ही रह गए। भारत मैच के अधिकांश समय इंग्लैंड पर हावी रहने के बावजूद हार गया जिसमें सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में से एक राहुल थे, जो एक से ज्यादा मौकों पर लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराने वाले केवल दूसरे भारतीय बने।

बुधवार को इंस्टाग्राम पर राहुल ने कहा, 'कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं। वे

बनाती है।' मौजूदा सीरीज में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इस सीरीज ने इंग्लैंड में उनके बल्लेबाजी औसत में काफी सुधार किया है, जो इसे 30 के दशक से 40 के शुरुआती दशक में

बनाए हैं जिसमें चार शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 है।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। इंग्लैंड का स्कोर 44/2 हो गया था, लेकिन ओली पोप (104 गेंदों में 44 रन, चार चौकों की मदद से) और जो रूट (199 गेंदों

(83 गेंदों में 56 रन, छह चौकों और एक छक्के की मदद से) और जेमी स्मिथ (56 गेंदों में 51 रन, छह चौकों की मदद से) के बीच आठवें विकेट के लिए 84 रनों की जवाबी साझेदारी ने इंग्लैंड को 387 रनों तक पहुंचाया। जसप्रीत बुमराह (5/74) भारत के लिए गेंदबाजी में सबसे शानदार गेंदबाज रहे।

दूसरी पारी में भारत ने यशस्वी जायसवाल का विकेट जल्दी गंवा दिया, लेकिन करुण नायर (46 गेंदों में 26 रन, पांच चौके) और केएल राहुल के बीच 61 रन की साझेदारी और केएल (177 गेंदों में 100 रन, 13 चौके) और ऋषभ पंत (112 गेंदों में 74 रन, आठ चौके और दो छक्के) के बीच 141 रन की साझेदारी ने भारत को इंग्लैंड के स्कोर के करीब पहुंचा दिया। रवींद्र जडेजा (131 गेंदों में 72 रन, आठ चौके और एक छक्का) के शानदार अर्धशतक और निचले क्रम में नीतीश कुमार रेड्डी (30) और वाशिंगटन सुंदर (23) के

था।क्रिस वोक्स (3/84) इस पारी में इंग्लैंड के शीर्ष गेंदबाज थे। इंग्लैंड की दूसरी पारी में भारत ने लगातार इंग्लैंड को दबाव में रखा सिवाय रूट (96 गेंदों में 40 रन, एक चौका) और स्टोक्स (96 गेंदों में 33 रन, तीन चौके) के बीच पांचवें विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी के। सुंदर (4/22) ने खेल का रुख पलटते हुए मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया और इंग्लैंड को 192 रनों पर समेट दिया। भारत को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया का स्कोर 82/7 हो गया। हालांकि जडेजा (181 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 61* रन) हार मानने के मूड में नहीं थे। उन्होंने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मजबूत साझेदारियां कीं जिससे इंग्लैंड दबाव में आ गया, लेकिन मोहम्मद सिराज का दुर्भाग्यपूर्ण आउट होना, जहां गेंद पिच पर पड़ने के बाद वापस स्टंप्स की ओर घूम गई, ने लाखों दिलों

भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति को लेकर सुनील छेत्री ने जताई चिंता, आईएसएल के रुकने पर दिया बयान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के स्टार खिलाड़ी और कप्तान सुनील छेत्री ने भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई है। हालांकि, उन्हें उसमें सुधार की उम्मीद भी दिख रही है। बता दें कि, शीर्ष स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट इंडियन सुपर लीग यानी ढ्डस्रुको अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने से खेल जगत चिंतित,

आहत और डरा हुआ है। लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलने वाले छेत्री ने कहा कि, उन्हें देश में इस खेल के भविष्य को लेकर आशंकाएं व्यक्त करने वाले फोन कॉल और संदेशों की बाढ़ आ गई है। 40 वर्षीय दिग्गज ने एक्स पर लिखा कि, मुझे सबसे पहले ये चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है उसको मैं कैसे बिताऊंगा, लेकिन कई क्लबों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मेरी समस्या उतनी अहम नहीं है। भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। मुझे न केवल मेरे क्लब से, बल्कि अन्य क्लबों से भी खिलाड़ियों, स्टाफ सदस्यों, फिजियो, मालिश करने वालों से ढेर सारे संदेश मिले हैं। छेत्री ने कहा कि, भारतीय फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र में अभी जो अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है उससे हर कोई चिंतित, आहत और डरा हुआ है। आईएसएल ने आयोजकों और अ

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

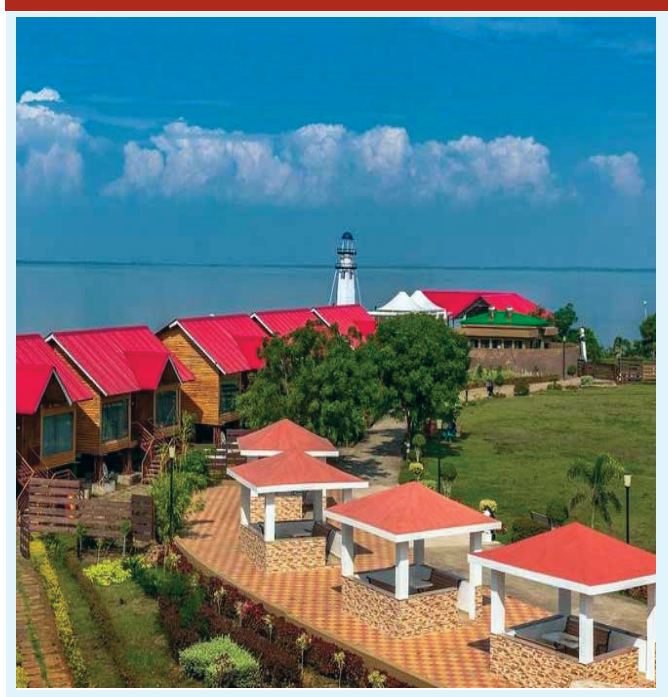

मध्य प्रदेश में उठाएं बीच का मजा

जरूर एक्सप्लोर करें ये मनमोहक और खूबसूरत जगह

मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं।

मध्य प्रदेश का गठन साल 1956 में हुआ था। यह देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य भी है। देश के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश में कई ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर सिर्फ देशी ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुवंतिया की खूबसूरती और इसकी खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुवंतिया

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इंदिरा सागर बांध के पास हनुवंतिया स्थित है। यह खंडवा शहर से करीब 45 किमी दूरी पर मौजूद है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हनुवंतिया करीब 233 किलोमीटर दूर है। वहीं इंदौर से करीब 138 किमी, देवास से करीब 195 किमी और उज्जैन से 197 किमी दूर है।

इस जगह की खासियत

बता दें कि इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में स्थित हनुवंतिया मध्य प्रदेश की एक मनमोहक जगह है। हनुवंतिया को कई लोग आइलैंड या हनुवंतिया टापू के नाम से भी जानते हैं। इस जगह की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि लोग इसको एमपी का %मिनी गोवा% भी कहते हैं।

यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ एक फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां पर गर्मियों में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया टापू नीले रंग के पानी और खूबसूरती के कारण गोवा की याद दिलाता है। वहीं मानसून में हनुवंतिया की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए क्यों है खास

गर्मियों में हनुवंतिया को मध्य प्रदेश को एक परफेक्ट पॉइंट माना जाता है। खासकर वीकेंड में भारी संख्या में पर्यटक घूमने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

हनुवंतिया का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जात है। यहां पर कई लोग सिर्फ एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए पहुंचते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स के लिए है फेमस

बता दें कि हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं।

हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

बता दें कि हनुवंतिया के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे इंदिरा सागर बांध, घंटाघर, गौरी कुंज, नागचून बांध खंडवा, तुलजा भवानी माता मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

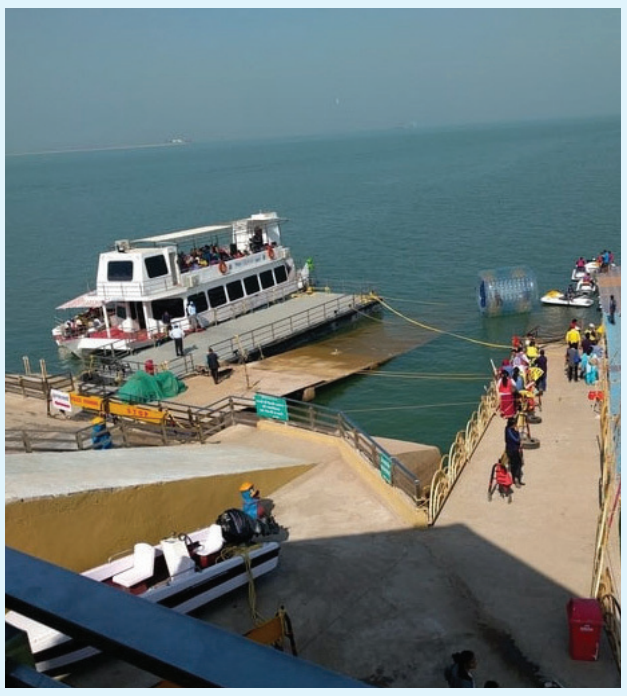

बारिश के मौसम का मजा लेना है तो महाराष्ट्र की इन जगहों पर जरूर जाएं

परिवार या दोस्तों के साथ घूमना किसे पसंद नहीं होता? कई लोग ट्रिप पर जाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं. खासकर अपने पार्टनर या गर्लफ्रेंड के साथ ट्रिप पर जाना कई लोगों को काफी खुशी देता है. इसलिए ज्यादातर लोग अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मस्ती करने के लिए खूबसूरत जगहों पर जाना पसंद करते हैं. अगर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसी जगहों की जानकारी लेकर आए हैं जो जुलाई में कपल्स के घूमने के लिए बेस्ट जगह हैं. खबर के जरिए जानते हैं कि मानसून में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए कौन सी जगहें बेस्ट हैं.

लोनावाला

मानसून के मौसम में लोनावाला घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। इस जगह की खूबसूरती और प्रकृति का अनोखा नजारा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है. खासकर अगर प्रेमी जोड़े और नवविवाहित जोड़े यहां जाएं तो उन्हें बहुत मजा आएगा. क्योंकि यहां का भूशी डैम, टाइगर प्वाइंट, हरी-भरी पहाड़ियां, प्रकृति और खूबसूरत फूलों के बगीचे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. इसलिए यह जगह प्रेमी जोड़ों, नवविवाहितों और जोड़ों के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल माना जाता है.

मुलशी

अगर आप अपने पार्टनर के साथ मानसून के मौसम का मजा लेना चाहते हैं तो पुणे के पास मुलशी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. क्योंकि यहां का इलाका बेहद खूबसूरत है. अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और प्रकृति के लिए मशहूर यह जगह पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है. खास तौर पर धुंध भरी पहाड़ियां और मुलशी डैम देखने लायक बेहद खूबसूरत जगह हैं.

माथेरान हिल स्टेशन

माथेरान हिल स्टेशन अपने प्रेमी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है. यह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है.मुंबई और पुणे के पास स्थित यह बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरी-भरी पहाड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत नजारा देता है. ऐसी प्राकृतिक खूबसूरती के बीच अपने साथी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमना आपके बीच प्यार को और बढ़ा देगा. इसलिए माथेरान लवर्स के लिए एक बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट है.

हरिश्चंद्रगढ़

खूबसूरत कॉफी बागानों में अपने प्रियतम के साथ गपशप करने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है. मानसून के मौसम में घूमने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है. जो लोग ट्रैकिंग करना चाहते हैं, वे इस जगह पर जा सकते हैं, बर्फीले पहाड़ों, कॉफी बागानों, हरे-भरे पेड़ों, रिमझिम बारिश के बीच कोंकण तट की खूबसूरती को निहार सकते हैं. आप अपने साथी के साथ खुशी के पल बिता सकते हैं। इसलिए, मानसून के मौसम में घूमने के लिए हरिश्चंद्रगढ़ सबसे अच्छी जगह है.

लवासा

वरसगांव झील के किनारे स्थित लवासा में अनगिनत वाटर स्पोर्ट्स हैं. महाराष्ट्र में स्थित यह शहर इतालवी शहर पोर्टोफिनो की तर्ज पर बना है. यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचे और मनोरंजक गतिविधियों के लिए जाना जाता है. यह जगह कपल्स के लिए बेहद रोमांचक हो सकती है.

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अनोखा मेल है कसौली

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

हिमाचल प्रदेश के सोलन ज़िले में स्थित कसौली एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक और शांत पहाड़ी स्थल है। समुद्र तल से लगभग 1,900 मीटर की ऊँचाई पर बसा कसौली अपनी हरियाली, शांत वातावरण, औपनिवेशिक इमारतों और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। यह एक आदर्श स्थान है उन लोगों के लिए जो भीड़भाड़ और शोरगुल से दूर कुछ सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

कसौली का इतिहास और विशेषता

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. मंकी पॉइंट

कसौली का सबसे ऊँचा स्थान मंकी पॉइंट है, जहाँ से सतलुज नदी, चंडीगढ़ और शिमला के दृश्य साफ दिखाई देते हैं। यहाँ एक छोटा हनुमान मंदिर भी है, जो धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य दोनों के लिए प्रसिद्ध है।

2. गिल्बर्ट ट्रेल

प्राकृतिक प्रेमियों और वॉकिंग के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। यह पगडंडी देवदार और ओक के पेड़ों के बीच से गुजरती है और यहां की शांति आत्मा को सुकून देती है।

3. क्राइस्ट चर्च

1853 में बना यह चर्च कसौली की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है। इसकी गोथिक शैली की वास्तुकला और रंगीन कांच की खिड़कियाँ देखने लायक हैं।

4. सनसेट पॉइंट

शाम के समय यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। पहाड़ियों के बीच सूरज को डूबते हुए देखना एक अविस्मरणीय अनुभव है।

5. कसौली ब्रुअरी

यह एशिया की सबसे पुरानी डिस्टिलरी मानी जाती है, जो अब भी संचालित हो रही है। यह ब्रिटिश काल की विरासत को संजोए हुए है।

कसौली में करने योग्य गतिविधियाँ

– प्राकृतिक ट्रेल्स पर वॉकिंग और ट्रेकिंग

– स्थानीय बाजारों में शॉपिंग (हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, जैम आदि)

– फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

– चर्चों और औपनिवेशिक इमारतों की खोज

– शांत वातावरण में ध्यान और योग

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून: गर्मियों में ठंडक का आनंद लेने के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर: साफ आसमान और हरियाली देखने के लिए।

दिसंबर से फरवरी: बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए बेहतरीन समय।

कैसे पहुँचे कसौली?

हवाई मार्ग: निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ (लगभग 60 किमी) है।

रेल मार्ग: निकटतम रेलवे स्टेशन कालका (लगभग 25 किमी) है, जहाँ से टैक्सी या बस ली जा सकती है।

सड़क मार्ग: चंडीगढ़, शिमला, दिल्ली से सीधी बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसौली एक ऐसा पर्यटन स्थल है जहाँ प्रकृति की गोद में शांति, सौंदर्य और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो जीवन की दौड़-भाग से दूर कुछ पल सुकून और ताजगी के साथ बिताना चाहते हैं।

शराबी ऑटो चालक ने हथौड़े से पीट-पीटकर बुजुर्ग माता-पिता की हत्या की

ओडिशा (एजेंसी)। ओडिशा के मयूरभंज जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शराब की लत के शिकार एक ऑटो चालक ने कथित तौर पर अपने बुजुर्ग माता-पिता की हथौड़े से पीट-पीटकर हत्या की। हत्या के बाद आरोपी बेटा रातभर मां-बाप के खून से लथपथ शवों के पास बैठा रहा। सुबह जब पड़ोसियों ने सन्नाटे के कारण अंदर घुसने की कोशिश की तब नजारा देख उनके होश उड़ गए। घटना ढोनापाल गांव में हुई। मृतकों की पहचान हादीबंधु साहू (81) और शांति साहू (72) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह जब ग्रामीणों ने उनके घर में अजीब सन्नाटा देखा, तब अंदर जाकर देखा कि दोनों बुजुर्ग खून से लथपथ हालत में मृत पड़े हैं और उनका बेटा हिमांशु खाट पर बैठा हुआ है। स्थानीय निवासियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे हिमांशु को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, रात किसी बात को लेकर परिवार में झगड़ा हुआ, जिसके बाद हिमांशु ने पत्थर तोड़ने वाले हथौड़े से अपने माता-पिता की निर्मम हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हिमांशु लंबे समय से शराब का आदी है। घरेलू कलह के चलते उसकी पत्नी और बच्चे काफी समय पहले हिमांशु को छोड़कर अलग रहने लगे थे।

नोट्स देने के बहाने छात्रा को बुलाया, दो लेक्चरर ने साथी के साथ किया दुष्कर्म

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस ने तीन लोगों को दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसमें मूडबिद्री इलाके के निजी कॉलेज के दो लेक्चरर भी शामिल हैं। पीड़ित उसी कॉलेज की छात्रा है, जिसमें दोनों पढ़ाते हैं। राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बाद मंगलवार को ये गिरफ्तारियां हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना एक महीने से ज्यादा पहले की बताई जा रही है, लेकिन मामला तब सामने आया जब छात्रा ने अपने माता-पिता को इसके बारे में बताया। इसके बाद महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई। आयोग के निर्देश पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नरेंद्र फिजिक्स का जबकि संदीप बायोलॉजी का लेक्चरर है। तीसरे आरोपी अनूप है। अनूप दोनों लेक्चरर का खास दोस्त है। पुलिस के मुताबिक नरेंद्र ने छात्रा को नोट्स देने के बहाने बेंगलुरु बुलाया और अनूप के घर पर लेकर जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। नरेंद्र ने धमकी दी कि अगर घटना के बारे में किसी को बताया तो उसे जान से मार देंगे। दूसरे लेक्चरर संदीप ने घटना की तस्वीरों और वीडियो को लेकर पीड़ित को ब्लैकमेल किया और संबंध बनाने की मांग की। वहीं आरोपी अनूप ने छात्रा को उसके कमरे में आने की सीसीटीवी फुटेज होने का दावा करके उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

कोबरा को गले में डाल घूम रहा था सर्पमित्र, उसी सांप ने डंसा हो गई मौत

गुना (एजेंसी)। जहरीला कोबरा गले में डालकर बाइक चलाना सर्पमित्र को भारी पड़ गया। सांप के डंसने से सर्पमित्र की मौत हो गई। मृत्यु से पहले जब वह सांप को गले में डालकर घूम रहा था, तब किसी ने उसका वीडियो बना लिया था, जो अब वायरल हो रहा है। यह घटना गुना की है। जानकारी के मुताबिक सर्पमित्र दीपक महावर ने हजारों जहरीले सांपों को पकड़ा था। वह जेपी कॉलेज में अस्थायी कर्मचारी के रूप में काम करते थे। दीपक ने हाल ही में एक जहरीला कोबरा पकड़ा था। उसने इस जहरीले सांप को कांच के बर्तन में बंद कर रखा था। दीपक जब बच्चों को स्कूल छोड़ने गया, तो उसने कोबरा को अपने गले में लटका लिया। बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद कोबरा ने अचानक दीपक को डंस लिया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि दीपक को एंटीवेनम दिया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने में देरी के कारण एंटीवेनम प्रभावी नहीं हो सका। सर्पमित्र दीपक महावर की मृत्यु के बाद उनके दोनों बच्चे, रौनक (12) और चिराग (14), अनाथ हो गए हैं। दीपक की पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी थी। जब दीपक गले में कोबरा लटकाकर घूम रहे थे, तब एक व्यक्ति ने उनका वीडियो बना लिया था, जो उनकी जिंदगी का आखिरी वीडियो बन गया।

युवती ने चलती बस में दिया बच्चे को जन्म, कपड़े में लपेट बाहर फेंका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के परभणी में एक मां ने अपनी ममता का ही गला घोंट दिया। महिला की उम्र 19 साल बताई जा रही है उसने चलती बस में एक बच्चे को जन्म दिया और फिर कथित तौर पर नवजात को खिड़की से बाहर फेंक दिया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि इस घटना में एक शख्स ने महिला की मदद की, जो खुद को उसका पति बता रहा था। बस से बाहर फेंके जाने के बाद बच्चे की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार सुबह 6.30 बजे पाथरी-सेलू रोड पर हुई। जानकारी के मुताबिक घटना का पता तब चला जब एक निवासी ने देखा कि बच्चे को कपड़े में लपेटकर बस की खिड़की से बाहर फेंका जा रहा है। बाद में पूछताछ करने पर कपल ने कहा कि महिला ने खिड़की से उल्टी की थी। दोनों की पहचान रितिका धेरे और अल्ताफ के रूप में हुई, है जो पुणे से परभणी जा रहे थे। वे संत प्रयाग ट्रैवल्स की स्लीपर कोच बस में यात्रा कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक रितिका धेरे बस में यात्रा कर रही थी। उसने बस में बच्चे को जन्म दिया। उसके बाद बच्चे को कपड़े में लपेटकर वाहन से बाहर फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि बस के ड्राइवर ने खिड़की से कुछ फेंकते हुए देखा। जब उसने रितिका केक साथ युवक से इस बारे में पूछा, तो आरोपी ने कहा कि उसकी पत्नी ने बस में यात्रा के कारण उल्टी की थी। पुलिस ने बताया कि एक सतर्क निवासी ने बस से फेंके गए वस्तु की जांच की और चौंकाने वाला पाया कि वह एक बच्चा था। पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस गश्ती दल ने बस का पीछा किया और कपल को पकड़ लिया। कपल ने बच्चे को बस से बाहर फेंकने की बात कबूल की और कहा कि वे बच्चे को पालने में असमर्थ थे। पुलिस ने बताया कि दंपति परभणी के रहने वाले हैं और पिछले डेढ़ साल से पुणे में रह रहे थे।

कानून की मदद करने के लिए लोगों में डर पैदा करना भी आतंकी कृत्यः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी अपराध को केवल तभी आतंकवादी कृत्य नहीं कहा जा सकता जब आरोपी को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दोषी ठहराया गया हो। कोर्ट ने कहा कि सेना के मुखबिर की हत्या करके लोगों को कानून का पक्ष लेने से रोकने के लिए भय का माहौल पैदा करना भी आतंकवादी कृत्य है, भले ही इस मामले में आतंकवाद विरोधी कानून लागू न किया गया हो।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच इस बात से सहमत नहीं थी कि जम्मू-कश्मीर में सेना के मुखबिर समेत तीन नागरिकों की एके-47 से हत्या आतंकवादी कृत्य नहीं थी, क्योंकि इसमें आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दोषसिद्धि नहीं हुआ। बेंच ने इस मामले में 27 साल जेल में बिता चुके एक दोषी गुलाम मोहम्मद भट की सजा माफी याचिका पर विचार करते हुए अपनी आपत्ति व्यक्त की। यह अराजकता फैलाने के लिए किया गया था ताकि कोई भी कानून का पक्ष लेने की हिम्मत न कर सके, तो यह निश्चित रूप से एक आतंकवादी कृत्य के लक्षण रखता है और इस नीति के तहत छूट नहीं दी जा सकती। आपको छूट नीति को चुनौती देनी होगी। कैदी गुलाम भट ने दलील दी कि उसे आतंकवाद-रोधी कानून के तहत नहीं, बल्कि केवल हत्या के आरोप में दोषी ठहराया गया था। इसलिए उसके कृत्य को आतंकवादी कृत्य नहीं कहा जा सकता। जम्मू-कश्मीर सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आतंकवादी कृत्य के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा कोई भी अपराधी राज्य की नीति के तहत छूट का हकदार नहीं है। कैदी गुलाम की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट ने कहा कि भट को केवल हत्या और शस्त्र अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया था, न कि तत्कालीन आतंकवाद-रोधी कानून टाडा के तहत।

उन्होंने कहा कि कोर्ट में ऐसा कुछ भी साबित नहीं हुआ जिससे टाडा के प्रावधान लागू हों। निचली अदालत या हाई कोर्ट ने इसे कभी आतंकवादी कृत्य नहीं माना। जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि घटनास्थल से ग्रेनेड दागने वाले हथियार समेत विस्फोटक उपकरण भी बरामद किए गए हैं। यह एक आतंकी कृत्य है, यह कोई साधारण हत्या नहीं है। बेंच ने कहा कि यदि आप लोगों में भय पैदा करना चाहते हैं ताकि कोई भी इस अवैध कृत्य के खिलाफ अधिकारियों के पास न जाए, तो यह एक आतंकवादी कृत्य है और हम अपनी आँखें बंद नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने वकील की उस याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें उन्होंने चल रही कार्यवाही के दौरान जम्मू-कश्मीर छूट नीति को चुनौती देने की अनुमति मांगी थी।

सांसद दुबे का दावा कहा- ब्रिटिश सैनिकों के सहयोग से चला था ऑपरेशन ब्लू स्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के लिए ब्रिटिश सैनिकों का सहयोग लिया और इसके बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर को पत्र लिखकर अपनी आंतरिक समस्याएं साझा कीं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्र शेयर किया। उन्होंने लिखा, 1984 में ब्रिटिश सैनिकों के सहयोग से 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' करने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर को यह पत्र भेजा। उन्होंने आगे कहा, विदेशियों से लड़ने के लिए तो सामरिक सहयोग चाहिए, लेकिन अपने देश के निहत्थे लोगों को मारने के लिए विदेशी सामरिक सहयोग को क्या कहते हैं? सांसद दुबे ने मंगलवार को पूर्व पीएम नेहरू पर 1963 में ओडिशा (उड़ीसा) का चरबटिया एयरपोर्ट अमेरिका को देने का दावा किया था। भाजपा सांसद ने एक्स पर लिखा, राहुल गांधी और कांग्रेस के परिवार का अमेरिका के आगे सरेंडर। नेहरु जी ने 1963 में हमारे ओडिशा का चरबटिया एयरपोर्ट अमेरिका को दे दिया। गुलामी और देश बेचने, तोड़ने की मानसिकता ने हमें पाकिस्तान की तरह अमेरिका के सामने खड़ा कर दिया। यह काला अध्याय, मन विचलित भी है और व्यथित भी। इसके अलावा, उन्होंने नेहरू-गांधी परिवार पर अमेरिका के आगे नतमस्तक होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा था, अमेरिका के आगे नतमस्तक नेहरू-गांधी परिवार। राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और भारत की आस्था के साथ किसानों की तबाही। क्या केदारनाथ का हादसा अमेरिका के न्यूक्लियर वस्तु के कारण हुआ, जो नंदा देवी पर्वत शिखर के ऊपर से 1960 में गायब हो गया? क्या तीस्ता नदी के बाढ़ का भी वही कारण है? गंगोत्री-यमुनोत्री के पिघलते ग्लेशियर और गंगा के पानी में लगातार कमी किसानों की तबाही के लिए जिम्मेदार है, कांग्रेस पार्टी के नेहरू जी का सरेंडर?

भाषा विवाद पर सीएम नायडू ने पूर्व पीएम नरसिम्हा राव का उदाहरण दिया... जिन्होंने 17 भाषाएँ सीखी

अमरावती (एजेंसी)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन-भाषा फॉर्मूले के विरोध के बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हिंदी का समर्थन किया है। उन्होंने भाषा विवाद पर अपनी राय रखकर पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव का उदाहरण दिया, जिन्होंने 17 भाषाएँ सीखी थीं, जिसमें हिंदी भी शामिल थी। नायडू ने कहा कि पी.वी. नरसिम्हा राव एक महान और दूरदर्शी नेता थे और तेलुगु समुदाय को उन पर गर्व है। उन्होंने बताया कि राव एक छात्र नेता, स्वतंत्रता सेनानी और 17 भाषाओं के विद्वान थे। नायडू ने जोर दिया कि आजकल लोग पूछते हैं कि हिंदी क्यों सीखनी चाहिए, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री ने न केवल हिंदी सीखी, बल्कि 17 भाषाएँ सीखीं। उन्होंने कहा कि राव अपने इस गुण की वजह से इतने महान बने। बात दें कि राव प्रधानमंत्री पद पर पहुँचने वाले दक्षिण भारत के पहले राजनेता थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने लालकिले के प्राचीर से हमेशा हिंदी में ही देश को संबोधित किया। उन्हें 17 भाषाओं का ज्ञान था, जिसमें 11 भारतीय भाषाएँ (तेलुगु, मराठी, तमिल, हिंदी, बंगाली, गुजराती, ओडिया, कन्नड़, संस्कृत और उर्दू) और 6 विदेशी भाषाएँ (अंग्रेजी, फ्रेंच, अरबी, जर्मन, फारसी और स्पेनिश) शामिल थीं। उनके इस ज्ञान के कारण लोग उन्हें आंध्र प्रदेश का बृहस्पति के तौर पर याद करते हैं। उन्होंने तेलुगु साहित्य की कई पुस्तकों का हिंदी में और मराठी साहित्य की कई किताबों का तेलुगु में अनुवाद भी किया।

भाषा विवाद के बीच आंध्र प्रदेश का रुख

त्रिभाषा फॉर्मूले और हिंदी को लेकर तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में विवाद जारी है। इन राज्यों के कई दलों ने केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। हालाँकि, आंध्र प्रदेश ही एक ऐसा राज्य है जहाँ के क्षेत्रीय नेताओं ने हिंदी को लेकर तीखी बयानबाजी नहीं की है। नायडू का यह बयान हिंदी के प्रति आंध्र प्रदेश के अधिक उदारवादी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

कांग्रेस ने पूछा- भारत के खिलाफ पाकिस्तान के मददगार चीन से क्यों मिलाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के चीन दौरे और राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित चीनी नेताओं के साथ शेक हैंड करने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताते हुए सवाल उठाए हैं। साथ ही पहलगाम आतंकी हमले के 85 दिन बाद भी आतंकियों के गिरफ्तार न होने पर भी मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि संभवतः किसी आतंकी की अब तक शिनाख्त भी नहीं हुई है।

इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स विभाग की अध्यक्ष और कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने विदेश मंत्री जयशंकर की चीन यात्रा का जिक्र करते हुए भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह के हालिया बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान की पीछे से मदद की थी। उन्होंने जयशंकर की राष्ट्रपति जिनपिंग समेत चीन के अन्य नेताओं के साथ तस्वीरें दिखाते हुए पूछा कि उन्हें हमारे दुश्मन की सहायता करने वाले चीन का दौरा करने की क्या जरूरत थी? उन्होंने जयशंकर के भारत-चीन के द्विपक्षीय संबंध लगातार सुधरने के बयान को भारतीय सेना का मनोबल तोड़ने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार को चीन और पाकिस्तान के साथ आने को लेकर आगाह कर रहे थे और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बात सही साबित हुई।

कांग्रेस नेता ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की मदद करने के अलावा चीन ने उसे पिछले पांच वर्षों में 81 प्रतिशत हथियार दिए। बीते कुछ दिनों में चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स, विशेष फ़र्टिलाइज़र और टनल-बोरिंग मशीनों जैसी चीजों का भारत को निर्यात काफी हद तक सीमित कर दिया है, जिससे हमारे इंफ़्रास्ट्रक्चर निर्माण पर बुरा असर पड़ेगा। भारत की पैट्रोलिंग पार्टीज देपसांग, डेमचोक और चुमार जैसे इलाकों में पैट्रोलिंग करने के लिए चीन की सहमति पर निर्भर हैं। गलवान, हॉट स्प्रिंग, पैंगोंग त्सो झील में बनाए गए अधिकांश बफर जोन भारतीय सीमा के अंदर हैं; आज भी अप्रैल 2020 की यथावत स्थिति बहाल नहीं हो पाई है। इस दौरान चीन ने एलएसी के पास 50 गांव बसा दिए हैं। यही नहीं, चीन ने अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदल दिए।

कांग्रेस नेता ने ब्लॉगर से जासूस बनीं ज्योति मल्होत्रा के भाजपा से संबंधों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने वीडियो दिखाते हुए कहा कि पाकिस्तान जाते समय ज्योति ने खुद को हरियाणा भाजपा की सदस्य बताया। ज्योति को भाजपा के कई हाई-प्रोफाइल कार्यक्रमों में भी देखा गया था। उन्होंने पूछा कि क्या ज्योति को कोई बचा रहा है, क्योंकि पूछताछ के दौरान क्या खुलासे किए, इस बारे में उसकी गिरफ्तारी के दो महीने बाद भी कुछ सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि ज्योति एकमात्र ऐसा उदाहरण नहीं है, भाजपा-आरएसएस से जुड़े कई लोग पाकिस्तान के लिए जासूसी करते पकड़े गए हैं।

श्रीनेत ने याद दिलाया कि भाजपा आईटी सेल में काम करने वाला ध्रुव सक्सेना आईएसआई के लिए जासूसी करते हुए पाया गया था। वर्ष 1999 में भाजपा सरकार ने ही आतंकवादी मसूद अजहर को रिहा किया था। जम्मू-कश्मीर में तत्कालीन भाजपा उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह ने आतंकवादी बुरहान वानी के एनकाउंटर को दुर्घटना बताया था। कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार द्वारा पठानकोट आतंकी हमले की जांच के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को भारत आने की अनुमति देने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने आईएसआई जांच पर संतुष्टि भी जताई थी।!

लगातार हो रही बारिश के बीच भीगे कपड़े, हाथ जोड़े... बंगालियों के पीछे बीजेपी, ममता का नया नैरेटिव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश भर में बंगाली भाषी लोगों को व्यवस्थित रूप से परेशान करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर यह कथित उत्पीड़न जारी रहा तो 2026 के विधानसभा चुनावों में इसके कड़े राजनीतिक परिणाम होंगे। मध्य कोलकाता में बारिश से भीगे एक विरोध रैली में बोलते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र भाजपा शासित राज्यों को बंगाली भाषी नागरिकों को हिरासत में लेने और धमकाने के लिए गुप्त निर्देश जारी कर रहा है। डोरीना क्रॉसिंग पर समाप्त हुए एक मार्च के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं इन गुप्त नोटिसों को चुनौती दूँगी। बंगालियों को केवल संदेह के आधार पर कैसे हिरासत में लिया जा सकता है? यह अस्वीकार्य है।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने केंद्र पर अपने राजनीतिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए भारत के चुनाव आयोग को प्रभावित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं बंगालियों के प्रति भाजपा और केंद्र के रवैये से शर्मिंदा और निराश हूँ। बंगाल के प्रवासी मज़दूरों के साथ भाजपा के व्यवहार पर निशाना साधते हुए, बनर्जी ने कहा कि देश भर में काम कर रहे 22 लाख से ज़्यादा बंगालियों के पास आधार, ईपीआईसी और पैन कार्ड जैसे वैध दस्तावेज़ हैं, फिर भी उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और यहाँ तक कि बांग्लादेश वापस भेजा जा रहा है। उन्होंने सवाल किया क्या पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा नहीं है? भाजपा को बंगालियों के साथ ऐसा व्यवहार करने का अधिकार क्या है?

ममता ने कहा कि राजनीतिक लड़ाई का संकल्प लेते हुए, बनर्जी ने घोषणा की कि भगवा पार्टी को 2026 में खेला होबे के एक और दौर के लिए तैयार रहना चाहिए, जो 2021 के चुनावों के दौरान उनकी पार्टी का नारा है। उन्होंने चुनौती भरे लहजे में कहा कि मैं अब और भी ज़्यादा बांग्ला में बोलूँगी। अगर हो सके तो मुझे गिरफ़्तार कर लो। राजनीतिक तरीकों से प्रतिरोध का आह्वान करते हुए, उन्होंने चेतावनी दी अगर भाजपा बंगालियों पर अत्याचार करना बंद नहीं करती है, तो तृणमूल कांग्रेस जानती है कि उन्हें कैसे रोका जाए।

पटना एयरपोर्ट के रनवे को टच कर दोबारा उड़ा विमानः 173 यात्रियों की सांसें अटकीं -तीन-चार चक्कर के बाद सुरक्षित लैंडिंग

पटना (एजेंसी)। मंगलवार रात पटना एयरपोर्ट पर एक गंभीर तकनीकी स्थिति ने सभी को कुछ देर के लिए दहशत में डाल दिया। दिल्ली से पटना आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई2482 लैंडिंग करते-करते अचानक दोबारा उड़ान भर गई, जिससे विमान में सवार 173 यात्रियों की सांसें थम गईं। कुछ देर बाद विमान ने आसमान में तीन से चार चक्कर लगाने के बाद सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्रियों ने राहत की सांस ली।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, मंगलवार रात करीब 9 बजे फ्लाइट की लैंडिंग होनी थी, लेकिन विमान निर्धारित टचिंग पॉइंट को ओवरशूट कर गया। पटना एयरपोर्ट का रनवे देश के अन्य बड़े एयरपोर्ट्स की तुलना में छोटा है। पायलट को आशंका हुई कि विमान को इस रनवे पर रोकना मुश्किल हो सकता है, ऐसे में उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर विमान को दोबारा हवा में उठा लिया। घटना के दौरान यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई यात्रियों को लगा कि रनवे पर कोई दूसरा विमान होगा या आपात स्थिति बन गई होगी। हालांकि, क्रू मेंबर्स ने तुरंत स्थिति को संभालते हुए यात्रियों को आश्वस्त किया कि कोई खतरे की बात नहीं है और तकनीकी कारणों से विमान को दोबारा उड़ाया गया है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि कुछ ही मिनटों में लैंडिंग कर दी जाएगी।

यहां बताते चलें कि पटना एयरपोर्ट के रनवे की वर्तमान लंबाई 2,072.64 मीटर है। यही वजह है कि बड़े विमानों की लैंडिंग के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरती जाती है। फिलहाल, इस रनवे को बढ़ाकर 3,657.6 मीटर करने की योजना पर काम चल रहा है। यह कवायद केंद्र सरकार द्वारा एयरपोर्ट सुरक्षा को लेकर जारी एडवाइजरी के तहत की जा रही है, जो अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हुए हालिया हादसे के बाद जारी की गई थी। इस संबंध में विशेषज्ञों का मानना है कि पायलट द्वारा उठाया गया कदम पूरी तरह से सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुरूप था। यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि देश के कई छोटे एयरपोर्ट्स को आधुनिक और सुरक्षित बनाए जाने की तत्काल जरूरत है।

ब्लड मनी को अस्वीकार कर तलाल के भाई अब्देलफतेह का पोस्ट...खून को खरीदा नहीं जा सकता

-भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाने की अंतिम उम्मीद भी हुई खत्म

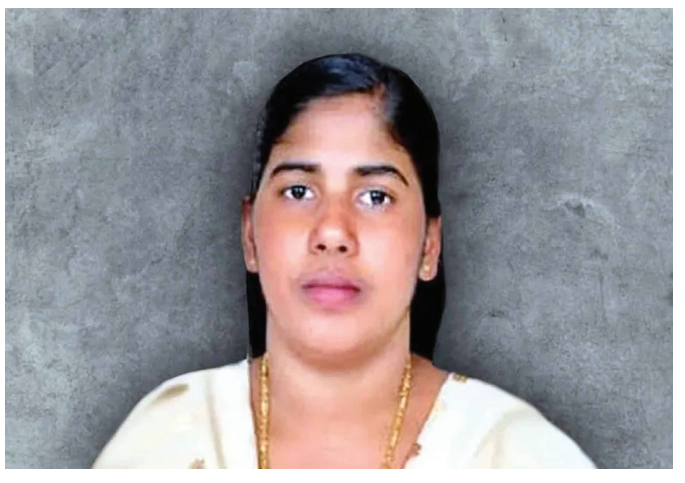

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में सजा-ए-मौत का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के लिए राहत का वक्त कुछ घंटे ही बचा है। अब तलाल आबदो मेहदी के परिवार ने फिर से कहा हैं कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेगा। तलाल आबदो मेहदी पर आरोप है कि उसने निमिषा प्रिया का उत्पीड़न कर उसका पासपोर्ट रख लिया था। पासपोर्ट हासिल करने के लिए ही निमिषा ने तलाल को ड्रग्स दिया था और उसकी ओवरडोज से वह मर गया था। मामले में निमिषा प्रिया को सजा-ए-मौत सुनाई गई है। उन्हें 16 जुलाई के दिन सजा मिलनी थी, लेकिन केरल के ग्रैंड मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के दखल से फांसी को टाल दिया गया था।

बताया गया कि निमिषा प्रिया के वकील और परिजनों को वक्त दिया जाएगा कि वे तलाल के परिवार को ब्लड मनी के लिए राजी कर लें। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। तलाल के भाई का कहना है कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेगा। तलाल के भाई अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि हमारे परिवार ने समझौते के सभी ऑफर खारिज किए हैं। हम चाहते हैं कि भाई की कातिल को सजा-ए-मौत ही मिले। माफी के सवाल पर अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि यह बेहद गंभीर अपराध है और इसमें कोई माफी नहीं दी जा सकती। हम इस मामले में दीयत यानी ब्लड मनी स्वीकार नहीं करने वाले है।

यमन के कानून के अनुसार यदि मारे गए शख्स का परिवार आरोपी से मुआवजे के बदले माफी दे, तब सजा खत्म की जा सकती है। अब्देलफतेह ने पोस्ट में कहा, आज क्या हो रहा है। मध्यस्थता और समझौते की बातें हो रही हैं। यह कोई नई बात नहीं है ना ही सरप्राइज वाली चीज है। इस साल फिर से कई बार समझौते की कोशिशें हुई हैं और ये नई नहीं हैं। हम पर काफी दबाव डाला गया है, लेकिन हमारी मांग में कोई बदलाव नहीं है। हम भी यही चाहते हैं कि आरोपी को सजा-ए-मौत हो। फिलहाल सजा को टाल दिया गया है और हम इससे हैरान हैं। मध्यस्थता करने वाले समझ लें कि हम किसी भी तरह से समझौते के लिए तैयार नहीं हैं और ब्लड मनी स्वीकार नहीं है।

अब्देलफतेह मेहदी ने लिखा, खून को खरीदा नहीं जा सकता। सजा को टाले जाने से हम नहीं रुकने वाले हैं। किसी भी तरह के दबाव के आगे हम नहीं झुकने वाले है। न्याय को भुलाया नहीं जा सकता। न्याय होगा और भले ही उसमें देर लगे। यह सिर्फ कुछ समय की बात है और अल्लाह हमारे साथ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

स्पेन में गर्मी से दो महीनों में 1 हजार से ज्यादा मौतें हुईं, पिछले साल के मुकाबले 10 गुना अधिक

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में गर्मी के कारण मई 16 से जुलाई 13 तक करीब 1,180 लोगों की मौत हो चुकी है। ये पिछले साल इसी समय में हुई 114 मौतों से 10 गुना अधिक है। मरने वालों में ज्यादातर 65 साल से ज्यादा उम्र के थे, जिनमें आधी से ज्यादा महिलाएं थी। स्पेन का गैलिसिया, ला रियोजा, अस्टुरियस और कैंटाब्रिया जैसे उत्तरी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, जहां आमतौर पर गर्मी कम रहती थी, लेकिन हाल के वर्षों में तापमान में भारी वृद्धि देखी गई है। इस दौरान तापमान अक्सर 40 डिग्री सेल्सियस (104 डिग्री फारेनहाइट) से ऊपर रहा। इस अवधि में 76 रेड अलर्ट जारी किए गए, जबकि पिछले साल कोई अलर्ट नहीं था। पिछले साल स्पेन में गर्मी से 2,191 लोगों की मौत हुई थी। हाल ही में 9 जुलाई को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, यूरोप के 12 शहरों में 2 जुलाई तक 10 दिनों की भीषण गर्मी में लगभग 2,300 लोगों की मौत हुई।

पनामा में 6.2 तीव्रता का भूकंप

पनामा , एजेंसी। पनामा के प्रशांत तट पर 6.2 तीव्रता का भूकंप रिकॉर्ड किया गया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसे लेकर जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल किसी के हताहत होने या नुकसान की सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप दोपहर के समय पुंटा बुरीका से लगभग 130 मील (210 किलोमीटर) दक्षिण में, कोस्टा रिका की सीमा के पास पनामा के चिरिकी प्रांत में 10 किलोमीटर (6 मील) की प्रारंभिक गहराई पर आया। इसके चलते पश्चिमी पनामा के चिरिकी और आसपास के इलाकों में झटके महसूस किए गए। वहीं स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल भूकंप के कारण सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

कनेक्टिकट में प्रेमिका के हत्यारे को 65 साल की जेल

न्यू हेवन , एजेंसी। कनेक्टिकट के एक व्यक्ति को सोमवार को 2019 में अपनी प्रेमिका की पीट-पीटकर हत्या करने के जुर्म में 65 साल की जेल की सजा सुनाई गई। उस समय उनकी 14 महीने की बेटी भी गायब हो गई थी, जो अब तक नहीं मिली है। 48 साल के जोस मोरालेस को अप्रैल में कोर्ट ने क्रिस्टीन होलोवे की हत्या और सबूतों से छेड़छाड़ करने का दोषी पाया था। क्रिस्टीन की हत्या उनके घर पर हुई थी, जो न्यू हेवन शहर से लगभग 16 किलोमीटर दूर एन्सोनिया नामक जगह पर है। हत्या के समय क्रिस्टीन की बेटी वैनेसा सिर्फ 14 महीने की थी। परिवार वाले उसे अब भी ढूंढ रहे हैं। पुलिस ने 2019 में कहा था कि मोरालेस लड़की के लापता होने के मामले में संदिग्ध है, लेकिन उस पर कभी इसका आरोप नहीं लगाया गया। सुनवाई के दौरान क्रिस्टीन होलोवे के कई रिश्तेदारों ने अपनी भावनाएं जाहिर कीं।

न्यूयॉर्क के मेयर पद की दौड़ में बने रहेंगे क्युमो

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्युमो ने कहा है कि वे अब एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में न्यूयॉर्क शहर के मेयर का चुनाव लड़ेंगे। वे डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रगतिशील नेता जोहरान ममदानी के खिलाफ मैदान में हैं, जिनसे उन्हें पिछले महीने प्राइमरी चुनाव में हार मिली थी। एक वीडियो में क्युमो ने कहा कि ममदानी के पास सिर्फ आकर्षक नारे हैं, लेकिन असली समाधान नहीं। उन्होंने कहा, हमारे शहर को बचाने की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। जून के प्राइमरी में सिर्फ 13प्रतिशत लोगों ने वोट दिया था। असली चुनाव तो नवंबर में है, और मैं उसे जीतने के लिए मैदान में हूं। अब नवंबर के आम चुनाव में क्युमो अकेले नहीं हैं। मौजूदा मेयर एरिक एडम्स भी स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ रहे हैं। वहीं, कर्टिस स्लीवा, जो 1970 के दशक में गार्जियन एंजेल्स नाम की सुरक्षा गश्त शुरू करने वाले थे, रिपब्लिकन पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं।

मेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इससे अमेरिका-मेक्सिको का 2019 के टमाटर समझौता खत्म हो जाएगा, जिसके तहत मेक्सिको से टमाटर बिना टैरिफ के आते थे। अमेरिकी व्यापार विभाग ने कहा कि स्थानीय किसानों के दबाव के कारण यह कदम उठाया गया, जो मेक्सिको के बढ़ते दबदबे से परेशान हैं। मेक्सिको अमेरिका में खपत होने वाले 70प्रतिशत टमाटरों की आपूर्ति करता है। हालांकि, मेक्सिको में टमाटर उगाने वाली या आयात पर निर्भर अमेरिकी कंपनियों ने चेतावनी दी है कि इससे किराने की दुकानों में कीमतें बढ़ेंगी और सप्लाई चेन प्रभावित होगी। वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक को इस सिलसिले में कई पत्र भेजे गए और बातचीत की अपील की। व्यापारिक समूहों ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां 50,000 श्रमिकों को रोजगार देती हैं और मेक्सिको से टमाटरों को देश को 8.3 बिलियन डॉलर का मुनाफा होता हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 17प्रतिशत टैरिफ से अमेरिका में टमाटर की खुदरा कीमतें 8.5प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। यह शुल्क राष्ट्रपति ट्रम्प के मेक्सिको और यूरोपीय संघ से आयात पर 30प्रतिशत आधार शुल्क से अलग है, जिसकी घोषणा हाल ही में की गई थी।

यूट्यूबर का दावा- फ्रांस की फर्स्ट लेडी पहले पुरुष थीं: ब्रिगिट मैक्रों ने मानहानि का मुकदमा किया

पेरिस, एजेंसी। 2021 में अमंडाइन रॉय और नताशा रे नामक दोनों महिलाओं ने एक यूट्यूब पर पोस्ट किए गए वीडियो में ब्रिगिट के जीन-मिशेल ट्रोगन्यू नामक पुरूष होने का दावा किया था। जीन-मिशेल ट्रोगन्यू ब्रिगिट के भाई है, जिनकी शक्ल आपस में काफी हद तक मिलती है। ब्रिजिट ने इन दोनों महिलाओं के खिलाफ पहले निचली अदालत में मुकदमा किया था। निचली अदालत ने 2024 में दोनों महिलाओं पर करीब 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था, जिसमें 7 लाख रुपए ब्रिजिट को और 5 लाख रुपए उनके भाई को देने की बात कही गई थी।

बाद में पेरिस की अदालत ने उन दोनों के खिलाफ सुनाई गई सजा को माफ कर दिया था। सोशल मीडिया पर मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट को लेकर कई तरह की बातें होती रहती है। मई में इनके बीच झड़प का एक वीडियो वायरल हुआ था।

ब्रिजिट ने मैक्रों को धकेला, सोशल पर वायरल हुआ था वीडियो : मैक्रों 25 मई को वियतनाम दौरे पर पहुंचे थे। इसी दौरान हनोई के नोई बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनकी पत्नी ने उनका मुंह पकड़कर धकेल दिया था। एसोसिएटेड प्रेस ने इस वीडियो को रिकॉर्ड किया। घटना तब की है, जब दोनों विमान

से उतरने की तैयारी कर रहे थे। वीडियो में दिखा कि जैसे ही मैक्रों के प्लेन का दरवाजा खुला, ब्रिगिट मैक्रों का मुंह पकड़कर धकेल देती हैं। मैक्रों इस दौरान कुछ पल के लिए चौंकते हैं, फिर जल्दी से अपने आपको संभालते हुए बाहर के लोगों की तरफ हाथ हिलाते हैं। इसके बाद ब्रिगिट भी पति के साथ बाहर आती हैं। वह मैक्रों के साथ प्लेन की सीढ़ियां से नीचे उतरती हैं। इस दौरान मैक्रों अपना हाथ उनकी तरफ बढ़ाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह इसे अनदेखा कर देती हैं।

मैक्रों से 24 साल बड़ी हैं ब्रिजिट : राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पत्नी के उम्र के अंतर को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बातें होती रहती हैं। बता दें, ब्रिजिट मैक्रों से 24 साल बड़ी हैं। साल 1992 में जब इमैनुएल मैक्रों 15 साल के थे, उनकी मुलाकात ब्रिगिट ट्रोन्यू से हुई थी। ब्रिगिट तब 39 साल की थीं और उत्तरी फ्रांस के अमिएंस में ला प्रोविडेंस हाई स्कूल में फ्रेंच और ड्रामा की टीचर थीं। इमैनुएल उस स्कूल में पढ़ते थे। ब्रिगिट की बेटी मैक्रों की क्लासमेट थी। दोनों अच्छे दोस्त थे और अक्सर साथ दिखाई देते थे। ऐसे में कई लोग दोनों को गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड समझते थे। लेकिन मैक्रों को उनकी क्लासमेट नहीं बल्कि उसकी टीचर मां पसंद थीं। इमैनुएल स्कूल के ड्रामा क्लब में शामिल हुए, जहां ब्रिगिट ड्रामा सिखाती थीं। दोनों ने एक साथ एक नाटक पर काम किया, जिसमें इमैनुएल ने स्क्रिप्ट लिखने में मदद की। यहीं से उनकी नजदीकी शुरू हुई।

पिता ने स्कूल छुड़वाया, फिर भी प्यार बरकरार रहा : इमैनुएल ने बाद में बताया कि उन्हें तब ही ब्रिगिट से प्यार हो गया था। इमैनुएल और ब्रिगिट के बीच बढ़ती नजदीकी की चर्चा स्कूल में हो गई। इमैनुएल के माता-पिता इस रिश्ते के खिलाफ थे। उन्होंने इमैनुएल को पेरिस भेज दिया ताकि वह ब्रिगिट से दूर रहें। उन्होंने ब्रिगिट को धमकी भी दी कि जबतक उनका बेटा बालिग नहीं हो जाता, तब तक वह उनसे दूर रहे। मैक्रों ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उसी समय मैंने ठान लिया था कि मुझे सफल होना है। मैं अपने माता-पिता को साबित करना चाहता था कि मैंने अपनी टीचर से प्यार करके कोई गलती नहीं की थी।

पेरिस में पढ़ाई के दौरान इमैनुएल ने ब्रिगिट से संपर्क बनाए रखा। उन्होंने पत्र लिखे और फोन पर बात की। इमैनुएल ने बाद में एक इंटरव्यू में कहा- मैंने ब्रिगिट से कहा था कि मैं किसी भी हाल में उनसे शादी करूंगा।

मैक्रों से मुलाकात के 14 साल बाद पति को तलाक दिया : ब्रिगिट के पति एक बैंकर आंद्रे-लुई औजिए थे। ब्रिगिट ने 2006 में अपने पति से तलाक ले लिया। इसके एक साल बाद 2007 में दोनों ने फ्रांस के तटीय शहर ले टौके में शादी की। उस वक्त इमैनुएल की उम्र 29 साल और ब्रिगिट 54 की थीं। इमैनुएल ने अपने शादी के भाषण में ब्रिगिट के बच्चों को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उन्हें स्वीकार किया।

इमैनुएल ने कभी अपने बच्चों की इच्छा नहीं जताई, और वह ब्रिगिट के बच्चों और उनके पोते-पोतियों के साथ पारिवारिक जीवन जीते हैं। शादी के बाद, ब्रिगिट ने इमैनुएल के करियर में अहम भूमिका निभाई। वह उनकी सलाहकार रही हैं और उनके राजनीतिक अभियानों में सक्रिय रहीं। ब्रिगिट ने अपनी टीचिंग जॉब छोड़ दी और फ्रांस की प्रथम महिला के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं।

भारत और पाकिस्तान में एक सप्ताह में शुरू हो जाता परमाणु युद्ध, डोनाल्ड ट्रंप ने किया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रोकने का क्रेडिट ले रहे हैं। अब उन्होंने दावा किया है कि दोनों मुल्कों के बीच परमाणु युद्ध छिड़ने वाला था। खास बात है कि भारत लगातार इस दावे को खारिज करता रहा है कि संघर्ष विराम में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका थी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने भी कार्रवाई की थी।

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा, हम युद्ध रुकवाने में काफी सफल रहे हैं। भारत और पाकिस्तान को देख लें... जिस तरह से चल रहा था, वैसे भारत और पाकिस्तान में एक और सप्ताह में परमाणु युद्ध छिड़ जाता। वो बहुत बुरी तरह से चल रहा था। हमने उसे व्यापार की मदद से सुलझाया। मैंने कहा कि जब तक आप इसका समाधान नहीं करेंगे, तब तक हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे। और उन्होंने ऐसा किया...।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने इस तरह का दावा किया हो। पहले भी वह कई मौकों पर कहते रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में उन्होंने भूमिका निभाई है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी इस तरह का दावा कर चुके हैं। बीते सप्ताह उन्होंने कहा था, राष्ट्रपति महोदय, मैं यहां एक सूची पर नजर दौड़ा रहा हूं... घरेलू स्तर पर हासिल की गई इन सभी उपलब्धियों (की सूची) पर... हमने आपके नेतृत्व में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया और उसे समाप्त करवाया।

सितंबर में ब्रिटेन दौरे पर जाएंगे ट्रंप, दूसरी बार राजकीय यात्रा पर जाने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सितंबर में ब्रिटेन का राजकीय दौरा करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का यह दौरा 17 से 19 सितंबर के बीच होगा। गौरतलब है कि ट्रंप की यह ब्रिटेन की दूसरी राजकीय यात्रा होगी और ऐसा करने वाले ट्रंप अमेरिका के पहले राष्ट्रपति हैं। ट्रंप के ब्रिटेन दौरे पर किंग चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला विंडसर कैसल में ट्रंप का स्वागत करेंगे। ब्रिटेन दौरे पर ट्रंप के साथ उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप भी साथ रहेंगी। विंडसर कैसल ने सोमवार को ट्रंप के दौरे की पुष्टि की। किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को दो बार ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर जाने का नहीं मिला मौका किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को अभी तक ब्रिटेन की दूसरी राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। ट्रंप ने इससे पहले साल 2019 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ब्रिटेन की राजकीय यात्रा की थी और उस वक्त ब्रिटेन की दिवंगत महारानी क्वीन एलिजाबेथ ने उनका स्वागत किया था। अब वे दूसरी बार सितंबर में ब्रिटेन की राजकीय यात्रा करने वाले हैं। किंग चार्ल्स की ओर से ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ट्रंप को ब्रिटेन दौरे पर आने का आमंत्रण दिया था। यह आमंत्रण उस वक्त दिया गया, जब कीर स्टार्मर ने बीती फरवरी में व्हाइट हाउस का दौरा किया था।

यूलिया स्विरीडेंको बनीं यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री निवर्तमान पीएम को रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूलिया स्विरीडेंको को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। वहीं लंबे समय से इस पद पर रहे निवर्तमान पीएम डेनिस शम्हाल को नया रक्षा मंत्री बनाया गया है। वहीं निवर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तेम उमेरोव को अमेरिका में यूक्रेन का नया राजदूत बनाया जा सकता है। स्विरीडेंको इससे पहले यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री पद पर तैनात थीं। हालांकि अभी नई नियुक्तियों को यूक्रेनी संसद की मंजूरी जरूरी होगी। हालांकि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही जिस तरह से पूरी संसद राष्ट्रपति जेलेंस्की के पीछे लामबंद है, उसे देखते हुए उम्मीद है कि नई नियुक्तियों को मंजूरी मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

अमेरिका के साथ खनिज समझौते से आई चर्चा में

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक बयान जारी कर कहा कि स्विरीडेंको (39 वर्षीय) एक अर्थशास्त्री हैं, जो अब सरकार का नेतृत्व करेंगी और इसके कामकाज में बदलाव करेंगी। वहीं शम्हाल का अनुभव यूक्रेन के रक्षामंत्री के तौर पर बेहद मूल्यवान है। यही वो क्षेत्र है, जहां देश के सबसे ज्यादा संसाधन लगे हैं और सबसे बड़ी जिम्मेदारी केंद्रित है। स्विरीडेंको ने इस साल अमेरिका के साथ खनिज समझौता करने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद स्विरीडेंको की खूब चर्चा हुई थी।

यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को

उबारने पर फोकस प्रधानमंत्री पद के लिए नाम का एलान होने पर यूलिया स्विरीडेंको ने एक बयान जारी कर कहा कि यूक्रेन बेहद अहम दौर से गुजर रहा है और फिलहाल उनकी प्राथमिकता युद्धग्रस्त यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को बेहतर करना है, साथ ही घरेलू समर्थन कार्यक्रमों को विस्तार देना और हथियारों के उत्पादन में तेजी लाना है। स्विरीडेंको ने नौकरशाही में कमी करने, व्यापार को बढ़ावा देने और फिलहाल गैर जरूरी खर्चों में कमी लाने की भी बात कही। स्विरीडेंको ने कहा कि फिलहाल उनका पूरा फोकस देश के सभी संसाधनों को सुरक्षा क्षेत्र में लगाने और युद्ध से उबरने पर है। विरोधियों पार्टियों ने जेलेंस्की पर सत्ता के दुरुपयोग के आरोप लगाए यूलिया को नए पीएम बनाए जाने की कोशिश को लेकर विपक्षी पार्टियां नाराज हैं। उनका कहना है कि उप-प्रधानमंत्री को ही प्रधानमंत्री बनाना कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि बस चेहरों की अदला-बदली है। कुछ विरोधियों का यह भी आरोप है कि जेलेंस्की ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि वह अपनी सत्ता और मजबूत कर सकें। उन्होंने जेलेंस्की पर अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री को रक्षा मंत्री बनाया जा सकता है राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने सोमवार शाम के संबोधन में यह भी घोषणा की कि वे मौजूदा प्रधानमंत्री डेनिस शिमहाल को रक्षा मंत्री बनाना चाहते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि शिमहाल का अनुभव इस पद के लिए बेहद अहम और कीमती होगा। उन्होंने बताया कि इस समय देश के सबसे अधिक संसाधन और जिम्मेदारियां रक्षा मंत्रालय से जुड़ी हैं, इसलिए इस क्षेत्र में कुशल नेतृत्व की जरूरत है।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की क्या ब्लड मनी से बचेगी जान!

सना, एजेंसी। भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को कल यानी बुधवार को यमन में मौत की सजा दी जाएगी। निमिषा 2017 से जेल में बंद हैं, उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट अपने कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था। निमिषा को मौत की सजा से बचाने के लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर कई कोशिशें की गईं, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं हुआ। दिल के पास गोली मारी जाती है यमन में सिर्फ गोली मारकर ही मौत की सजा दी जाती है। हालांकि, यहां पत्थर मारना, फांसी देना और सिर कलम करने का भी प्रावधान है, लेकिन इनका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। गोली मारने से पहले दोषी को किसी गलीचे या कंबल पर चेहरा नीचे करके लेटा दिया जाता है। इसके बाद डॉक्टर दोषी की पीठ के ऊपर दिल की जगह पर एक निशान लगाता है और फिर जल्लाद ऑटोमैटिक राइफल से उसकी पीठ में गोलियां मारता है। कुछ मामलों में मृत्युदंड से पहले कोड़े मारने की सजा भी दी जाती है।

यमन में इस्लाम छोड़ने पर भी मौत की सजा : यमन के पीनल कोड के मुताबिक किसास, हुदूद और ताजीर के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है??।

किसास- आंख के बदले आंख का नियम, इसके तहत हत्या के मामलों में पीड़ित के परिवार को ब्लड मनी लेकर माफी लेने का अधिकार है। हुदूद अपराध- व्यभिचार, समलैंगिकता, धर्मत्याग और डकैती जैसे अपराधों के लिए शरिया के तहत मृत्युदंड दिया जा सकता है। ताजीर- गंभीर अपराधों जैसे आतंकवाद, जासूसी, या देशद्रोह के लिए मृत्युदंड दिया जा सकता है। अब ब्लड मनी ही आखिरी उम्मीद निमिषा की जान बचाने के लिए अब ब्लड मनी ही आखिरी उम्मीद है। हालांकि, भारत सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वो निमिषा प्रिया मामले में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा- हम एक हद तक ही जा सकते हैं और हम वहां तक पहुंच चुके हैं। वहीं, सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल के वकील ने कोर्ट को बताया कि एकमात्र रास्ता यह है कि मृतक का परिवार ब्लड मनी (मुआवजा) स्वीकार कर ले।÷ परिवार को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 8.5 करोड़ रुपए) की पेशकश की गई है, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पर 20 से ज्यादा अमेरिकी राज्यों ने ठोका मुकदमा, क्या है मामला

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप अपने ही देश में घिरते नजर आ रहे हैं। अमेरिका के 20 से ज्यादा राज्यों ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा ठोक दिया है। इस स्कूलों के मुताबिक स्कूल के बाद और समर प्रोग्राम्स समेत विभिन्न कार्यों के लिए मिलने वाली अरबों डॉलर की रकम रोक दी है। कांग्रेस ने कांग्रेस ने कम आय वाले परिवारों की पढ़ाई में मदद, आगे बढ़ने आदि के लिए यह रकम तय की थी। लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इस पर रोक लगा दी। अब इसको लेकर राज्यों में काफी ज्यादा नाराजगी है। सिर्फ इतना ही नहीं, ट्रंप प्रशासन ने सामुदायिक शिक्षण केंद्रों के लिए दी जाने वाले पैसे भी रोक दिए हैं। यह रकम रोकी क्यों गई है इस पर ट्रंप प्रशासन ने अपना पक्ष रखा है। ट्रंप प्रशासन यह तय करना चाहता है कि जिन संस्थाओं को पैसे दिए जा रहे हैं वह ट्रंप की नीतियों के मुताबिक काम कर रहे हैं या नहीं। उधर रकम रोक दिए जाने से कई स्कूलों के सामने संकट खड़ा हो गया है। ईस्ट प्रोविडेंस के बॉयज एंड गर्ल्स क्लब के मुताबिक रोड आइलैंड राज्य ने अपने स्तर पर समर प्रोग्राम्स जारी रखने के लिए धन मुहैया कराया है। लेकिन सर्दी में स्कूल के बाद चलने वाले कार्यक्रमों को लेकर चिंता बनी हुई है। बॉयज एंड गर्ल्स क्लब ऑफ अमेरिका की सारा ल्यूटजिंगर ने कहाकि अगर ट्रंप

प्रशासन अगले तीन से पांच हफ्तों में पैसे जारी नहीं करता तो तो देश के करीब 926 क्लबों में से कई बंद हो सकते हैं। हैरानी की बात यह है कि ट्रंप प्रशासन ने यह फैसला लेते वक्त डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी का भी ख्याल नहीं किया। बता दें कि जिन स्कूलों के पैसे रोके गए हैं, उनमें से अधिकतर रिपब्लिकल पार्टी के नेताओं वाले क्षेत्र हैं। एक विश्लेषण के अनुसार, चार फ्रीज किए गए अनुदान कार्यक्रमों से सबसे ज्यादा पैसे पाने वाले 100 स्कूल जिलों में से 91 रिपब्लिकन जिलों में हैं। इन टॉप 100 स्कूल जिलों में से आधे चार राज्यों में हैं। यह राज्य हैं, कैलिफोर्निया, वेस्ट वर्जिनिया, फ्लोरिडा और जॉर्जिया।

चीन ने बढ़ाई जापान की चिंता, कहा- प्रशांत महासागर में ड्रैगन का बढ़ता दखल बन रहा रणनीतिक चुनौती

टोक्यो, एजेंसी। प्रशांत महासागर समेत अपने दक्षिण पश्चिमी तटों पर बढ़ती चीन की सैन्य गतिविधियों ने जापान की चिंता बढ़ा दी है। बीजिंग के लगातार बढ़ रहे दखल को जापान ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती बताया है। जापानी रक्षा मंत्रालय ने कैबिनेट को सौंपी 534 पन्ने की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि रूस के साथ बढ़ता चीन का संयुक्त अभियान, ताइवान के आसपास बढ़ता तनाव और उत्तर कोरिया से आने वाले खतरे जापान के लिए गंभीर सुरक्षा चिंता पैदा कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक समाज एक नए संकट के दौर में है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में चीन-अमेरिका के बीच बढ़ रहे संघर्ष को लेकर भी चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा खतरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में केंद्रित हैं। भविष्य में यह और भी बदतर हो सकते हैं। जापान ने रिपोर्ट में कहा है कि प्रशांत क्षेत्र में चीनी युद्धपोतों की प्रगति लगातार बढ़ी है। पिछले तीन वर्षों में दक्षिण-पश्चिमी जापान से गुजरने वाले उनके जहाजों में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। इसमें ताइवान और उसके पड़ोसी जापानी द्वीप योनागुनी के बीच का जलक्षेत्र भी शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया कि प्रशांत क्षेत्र में चीन के विमानवाहक पोतों की बढ़ती तैनाती, सुदूर जलक्षेत्रों में अपनी समुद्री शक्ति को बढ़ाने की कोशिश है। लंबी दूरी की उड़ानों के लिए अधिक परिष्कृत उड़ान मार्गों और बेड़े के संगठन के जरिए चीन के लगातार बमवर्षक विमानों की तैनाती को जापान के आसपास अपनी उपस्थिति दिखाने और अपनी परिचालन क्षमता को और बढ़ाने के बीजिंग के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है

कि रूस जापान के आसपास सक्रिय सैन्य अभियान चला रहा है और उसने सितंबर में देश के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया था। चीन के साथ उसके बढ़ते सामरिक सहयोग ने जापान की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

जापान ने भी बढ़ाई सैन्य तैनाती : जापान ने भी हाल के वर्षों में दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर अपनी सैन्य तैनाती तेज कर दी है। लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें तैनात करने की तैयारी कर रहा है, क्योंकि उसे ताइवान में संघर्ष की चिंता है। जिसे चीन अपना क्षेत्र बताता है और जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक हड़पने की कोशिश करेगा। ताइवान ने पिछले सप्ताह 10 दिनों का वार्षिक लाइव-फायर सैन्य अभ्यास शुरू किया। इसका उद्देश्य चीनी आक्रमण की धमकियों से बचाव करना था। यह रिपोर्ट जापान के चीन से अपने लड़ाकू विमानों को जापानी खुफिया जानकारी जुटाने वाले विमानों के असामान्य रूप से करीब उड़ाना बंद करने की मांग के कुछ दिनों बाद आई है। वहीं बीजिंग ने जापान पर जासूसी के इरादे से चीनी हवाई क्षेत्र के पास उड़ान भरने का आरोप लगाया। रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपने सहयोगी देशों की शांति और सुरक्षा के लिए बड़ी भूमिका निभाने की अपेक्षा की गई है। इसमें कहा गया कि उत्तर कोरिया जापान की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। उत्तर कोरिया द्वारा जापानी क्षेत्र में परमाणु हथियार ले जाने वाली मिसाइलों और अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम ठोस ईंधन वाली आईसीबीएम का विकास किया जा रहा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पटेल युवती आत्महत्या मामले में पुलिस की स्पेशल ड्राइव

सूरत में ट्यूशन क्लास के पास स्मोकिंग ज़ोन,सड़क पर बैठे युवकों और काली फिल्म लगी कारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सिंगणपुर इलाके में रहने वाली 19 वर्षीय युवती ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। युवती के पिता ने आरोप लगाया था कि एक युवक उसे परेशान करता था। इसके बाद समाज के प्रमुखों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर कुछ इलाकों में काली फिल्म वाली कारों में लड़कियों को परेशान करने और सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ की शिकायत की। इन शिकायतों के आधार पर पुलिस ने आज विशेष ड्राइव चलाई। स्ह्त की टीम भी इस विशेष अभियान में शामिल हुई।

सिंगणपुर की 19 वर्षीय नैनू रजनीभाई वावड़िया ने आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में सिंगणपुर थाने में आरोपी युवक और उसके पिता के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी के पिता को गिरफ्तार कर लिया और बेटे को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू की। दूसरी ओर, समाज के प्रमुखों ने पुलिस को यह बताया कि कुछ लड़के खास इलाकों में लड़कियों को परेशान करते हैं और काली फिल्म वाली गाड़ियों में बैठे लोग भी ऐसी हरकतें करते हैं। इसके चलते पुलिस ने एक्शन लेते हुए आज कतारगाम इलाके में विशेष ड्राइव चलाई।

SOG पुलिस ने ट्यूशन क्लास के आस-पास मौजूद पान की दुकानों की भी जांच की, जहां स्मोकिंग ज़ोन के रूप में कुछ जगहों का उपयोग हो रहा था। SOG के DCP राजदीप सिंह नाकुम भी इस ड्राइव में शामिल हुए। उन्होंने जांच की कि कहीं इन दुकानों के अंदर कोई अवैध गतिविधि तो नहीं हो रही। वहीं स्थानीय पुलिस ने काली फिल्म लगी गाड़ियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई शुरू की है। इसके साथ ही, ट्यूशन क्लासों में पढ़ने वाली छात्राओं को जागरूक करने का अभियान भी शुरू किया गया है, जिसमें उन्हें बताया गया कि अगर कोई व्यक्ति उन्हें परेशान करता है तो वे तुरंत पुलिस की मदद लें।

DCP राजदीप सिंह नाकुम ने बताया कि समाज से शिकायतें मिली थीं कि कुछ असामाजिक तत्व गाड़ियों पर काली फिल्म लगाकर बैठते हैं और लड़कियों को परेशान करते हैं। इसलिए इस पर सख्त ड्राइव चलाई जा रही है। अगर कोई फाइनेंस या अन्य अवैध गतिविधि में लिप्त पाया गया तो भी उसकी जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

DCP पनाकिन परमार ने बताया कि आत्महत्या करने वाली युवती एक ट्यूशन क्लास में जॉब करती थी, और उसके पिता ने आरोप लगाया कि उस क्लास में कोई लड़का उसे परेशान करता था। यह गंभीर मामला है और इसी को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग ट्यूशन क्लासों और स्थानों पर ड्राइव चलाई गई, ताकि छात्राएं सुरक्षित महसूस करें और अपने सवाल खुलकर रख सकें।

सामाजिक और राजनीतिक नेताओं ने यह भी सुझाव दिया था कि कुछ लोग गाड़ियों में काली फिल्म लगाकर लड़कियों से छेड़खानी करते हैं। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने काली फिल्म लगी गाड़ियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। ट्रैफिक नियमों की यह कार्रवाई नियमित रूप से होती रहती है, लेकिन खास शिकायतों को ध्यान में रखते हुए यह विशेष ड्राइव आयोजित की गई है।

जोन-3 के तहत आने वाले इलाकों के सभी ऐसे स्थानों की पहचान कर ली गई है। सभी पुलिस इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर, महिला स्टाफ के साथ मिलकर न केवल ट्रैफिक कार्रवाई की जा रही है, बल्कि ट्यूशन क्लासों में काउंसलिंग की प्रक्रिया भी शुरू की गई है, ताकि छात्राएं सुरक्षित महसूस करें और अपने साथ होने वाली किसी भी अनुचित गतिविधि की सूचना समय रहते पुलिस को दे सकें।

सत्ता के बल पर पुलिस तंत्र के दुरुपयोग का आरोप

चैतन्य वसावा की गिरफ्तारी को लेकर AAP ने किया विरोध,कहा-झूठी शिकायतें वापस ली जाएं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में तानाशाही चल रही है – ऐसे आरोप लगाते हुए आज (16 जुलाई) आम आदमी पार्टी ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की है। AAP का कहना है कि विधायक चैतन्य वसावा ने भ्रष्टाचार को उजागर किया, उसका पर्दाफाश किया। लेकिन जिन लोगों ने यह घोटाला किया, उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उल्टे जो इसे उजागर कर रहे हैं, उन्हें ही जेल के पीछे धकेला जा रहा है। AAP ने मांग की कि चैतन्य वसावा को तुरंत जेल से रिहा किया जाए और देडियापाड़ा तालुका पंचायत प्रमुख संजय वसावा व स्थानीय पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

5 जुलाई को दोपहर 12 बजे प्रांत कार्यालय, देडियापाड़ा में ATVY योजना के तहत एक पूर्व नियोजित बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में कमेटी के सदस्य नहीं होने के बावजूद तीन अन्य लोगों को नियमों के विरुद्ध शामिल किया गया। AAP के अनुसार, तालुका पंचायत प्रमुख संजय वसावा ने कहा – "हमारी सरकार है, जैसा चाहें करेंगे।" इसके बाद उन्होंने विधायक चैतन्य वसावा के साथ दुर्व्यवहार किया। जब विधायक शिकायत दर्ज कराने देडियापाड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचे, तो उल्टा पुलिस ने वहीं से उन्हें हिरासत में ले लिया।

AAP का आरोप है कि पुलिस पहले से तय योजना के तहत एक गिलास के ज़रिए हत्या की कोशिश और महिला को आगे कर एक झूठी कहानी गढ़ी गई और संजय वसावा को शिकायतकर्ता बनाकर विधायक चैतन्य वसावा के खिलाफ झूठा केस दर्ज किया गया। जबकि विधायक द्वारा की गई शिकायत पर कोई जांच या कार्रवाई नहीं की गई। एकतरफा कार्रवाई करके उन्हें फंसाया गया है।

AAP की विपक्ष नेता पायल साकरिया ने विधायक चैतन्य वसावा के खिलाफ दर्ज किए गए झूठे केसों को वापस लेने की मांग करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसे घोटालों को उजागर करने वाले विधायक के साथ अन्याय हो रहा है। जिन्होंने झूठी शिकायत दर्ज करवाई है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सिस्टम में जो भ्रष्टाचार चल रहा है, उसे रोकना ज़रूरी है। लेकिन जो आवाज़ उठा रहे हैं, उन्हें ही दबाया जा रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो भ्रष्टाचार और बढ़ेगा।

सचिन लूट और मर्डर की घटना के बाद एक्शन में आई सूरत पुलिस

DCP ने व्यापारियों और रहवासियों के साथ बैठक की, किरायेदारों की पूरी जानकारी देने और CCTV अनिवार्य करने की अपील

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन इलाके में हुई लूट और हत्या की गंभीर घटना के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सूरत पुलिस सक्रिय हो गई है। घटना से व्यापारियों में फैले आक्रोश को शांत करने और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सचिन पुलिस स्टेशन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ज़ोन-4 के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (DCP) विजयसिंह गुर्जर विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में सचिन क्षेत्र के व्यापारी, दुकानदार और विशेष रूप से वे रहवासी शामिल हुए जिनके पास स्थित सुढ़ा आवासों में चारों लुटेरे रुके थे। व्यापारियों को सीधे पुलिस अधिकारियों से संवाद करने और अपनी चिंताओं को साझा करने का अवसर दिया गया।

DCP विजयसिंह गुर्जर ने बैठक में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ सख्त और अनिवार्य निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी मकान मालिकों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपने किरायेदारों की पूरी जानकारी पुलिस को दें। इसमें किरायेदार का नाम, पता, पहचान पत्र की कॉपी, मोबाइल नंबर और अन्य आवश्यक विवरण शामिल होने चाहिए। इससे अपराधियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी आसान हो सकेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि हर दुकान, इमारत और व्यापारिक संस्था में उच्च गुणवत्ता वाले CCTV कैमरे लगाना जरूरी है और उनके फुटेज को कम से कम एक महीने तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए। CCTV फुटेज अपराध सुलझाने और अपराधियों की पहचान में अत्यंत सहायक होते हैं।

DCP ने कहा कि पुलिस अकेले अपराधों को नहीं रोक सकती। इसके लिए नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। एक सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए सभी को आगे आना होगा और पुलिस के साथ मिलकर काम करना होगा।

बैठक का मुख्य उद्देश्य सचिन क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण और शांति बनाए रखने पर चर्चा करना था। लूट और हत्या की घटना के बाद इलाके में भय का माहौल था, जिसे दूर करने और नागरिकों में विश्वास बहाल करने के लिए यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण थी। बैठक में स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों ने ट्रैफिक समस्या, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों और अन्य सुरक्षा संबंधित मुद्दे भी उठाए, जिनके समाधान का आश्वासन ष्ठष्टक्क ने दिया।

बैठक में यह भी चर्चा हुई कि पुलिस और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय के लिए इस तरह की बैठकें समय-समय पर आयोजित की जाएंगी। इससे आपसी विश्वास बढ़ेगा और सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं के समाधान में आसानी होगी। यह बैठक सचिन क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुधारने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन कर ही एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण संभव है।

लूट और फायरिंग केस के वांटेड आरोपी की गिरफ्तारी

15 साल पहले लूम्स मशीन के कारखाने से 1.77 लाख की लूट की थी

तमिलनाडु में कोयले की फैक्ट्री में कर रहा था नौकरी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) को 15 साल पुराने लूट और फायरिंग केस में फरार आरोपी को तमिलनाडु से पकड़ने में बड़ी सफलता मिली है। इस आरोपी ने वर्ष 2011 में सूरत के वराछा इलाके में एक कारखाने में घुसकर 1.77 लाख रुपये की लूट की थी।

यह घटना 26 सितंबर, 2011 को हुई थी। वराछा क्षेत्र में स्थित पावर लूम्स मशीनों के एक कारखाने में कुछ आरोपी जबरन घुस गए थे। उन्होंने शिकायतकर्ता पर पिस्तौल तान दी और टेबल के दरवाजे से 1,70,000 और शिकायतकर्ता की जेब से 7,000 यानी कुल 1,77,000 लूट लिए थे। लूट के दौरान आरोपियों ने फायरिंग भी की थी, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। भीड़ ने एक आरोपी को पकड़ लिया था, जबकि अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए थे। इस घटना को लेकर वराछा पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया था।

इस अपराध में शामिल मुख्य आरोपियों में से एक राजेन्द्र उर्फ राजू दंडपाणि डाकुवा पिछले 15 वर्षों से फरार था। सूरत SOG को सूचना मिली थी कि राजेन्द्र उर्फ राजू तमिलनाडु के तिरुवल्लुर जिले में छिपा हुआ है और वहां कोयले की एक कंपनी में नौकरी कर रहा है। इस सूचना के आधार पर सूरत स्ह्त ने तुरंत एक टीम गठित की और तमिलनाडु रवाना की। स्थानीय पुलिस की मदद से SOG टीम ने तिरुवल्लुर जिले के गुम्मिडीपुंडी से आरोपी राजेन्द्र उर्फ राजू दंडपाणि डाकुवा को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

सूरत के रांदेर इलाके में एक ही भवन में चल रही हैं छह सरकारी स्कूलें

कमरों की कमी से बच्चे बरामदे में पढ़ने को मजबूर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर पालिका द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति को 1000 करोड़ रुपये से अधिक का बजट आवंटित किया गया है। इसके बावजूद सूरत में शिक्षा व्यवस्था की दयनीय स्थिति सामने आई है, जहां एक ही स्कूल भवन में एक-दो नहीं बल्कि छह स्कूल दो पालियों में संचालित हो रहे हैं। कमरे की भारी कमी के कारण छात्र बरसात के मौसम में भी बरामदे में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के बाद प्रवेशोत्सव का आयोजन तो हुआ, लेकिन ज़मीनी सच्चाई यह है कि सूरत नगर निगम के स्कूलों में 1400 से अधिक शिक्षकों की कमी है। अब ये भी सामने आया है कि सूरत में एक ही इमारत में छह सरकारी स्कूलें चलाई जा रही हैं। कमरों की कमी के कारण छात्र बरसात में भी बाहर बरामदे स्कूल भवनों की भी भारी कमी है।

शिक्षा समिति में विपक्ष के नेता राकेश हीरपरा ने शासकों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, शिक्षा मंत्री के ही शहर में बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं।

एक ही भवन में चल रही ये छह स्कूलें:

1. 161 – श्री झीणाभाई नाविक प्राथमिक विद्यालय
2. 166 – श्री रविशंकर महाराज प्राथमिक विद्यालय
3. 167 – श्री ठाकोरभाई मिस्त्री प्राथमिक विद्यालय
4. 168 – श्री भगिनी निवेदिता प्राथमिक विद्यालय
5. 263 – श्री गोपालकृष्ण गोखले प्राथमिक विद्यालय
6. 338 – श्री प्रीयकांत मणियार प्राथमिक विद्यालय

इन छह स्कूलों में से चार स्कूलों के भवन अत्यंत जर्जर हालत में हैं, जिसके चलते इन स्कूलों को मौजूदा भवन में शिफ्ट किया गया है। लेकिन अब तक इन जर्जर भवनों को तोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हुई है, और ना ही उनके स्थान पर नए भवन निर्माण की कोई कार्रवाई की गई है।

एक ही भवन में दो पालियों में छह स्कूलों के संचालन से न केवल विद्यार्थियों को, बल्कि शिक्षकों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

विपक्ष का आरोप है कि भाजपा शासक प्रवेशोत्सव का ढिंढोरा पीटते हैं, लेकिन असल ज़रूरत — जैसे शिक्षकों की भर्ती और स्कूल भवनों का निर्माण — को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि तत्काल शिक्षकों की नियुक्ति और जर्जर भवनों का पुनर्निर्माण कराया जाए।

इस स्थिति ने नगर निगम की प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था की असल तस्वीर उजागर कर दी है — और दिखाया है कि बड़े बजट और उत्सवों के बीच जमीनी हकीकत कितनी उपेक्षित है।